www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 198 || लखनऊ
सोमवार
19 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:08
सूर्यास्तः 05:35
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 18°00



पेज 07

विशेष समाचार | सामाजिक सुरक्षा का कवच... >>पेज 04 | एमएलसी चुनाव में भाजपा ... >>पेज 06 | मुखर्जी परिवार की दुर्गा पूजा में शामिल ...

225 से बढ़कर 24,605 हुए कंपोजिट विद्यालय, बालवाटिका से कक्षा आठ तक एक परिसर में पढ़ाई की व्यवस्था

योगी सरकार में यूपी के स्कूलों की बदली तस्वीर

- *योगी सरकार में मजबूत हुई बेसिक शिक्षा की नींव, कम्पोजिट विद्यालयों में 9 साल में 1.84 लाख शिक्षक बढ़े*
- *2017 से पहले 918 थी कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या, अब 1.85 लाख के पार*
- *शिक्षकों को 5 लाख रुपये तक की मुफ्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा*

जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था में बीते वर्षों के दौरान विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण के साथ शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। वर्ष 2017 के बाद योगी सरकार के कार्यकाल में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए विद्यालयों के एकीकरण तथा कंपोजिट विद्यालयों के विस्तार की दिशा में कदम उठाए गए। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या वर्ष 2016-17 के 918 से बढ़कर 2025-26 में 1,85,408 हो गई। इसी अवधि में कंपोजिट विद्यालयों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2016-17 में प्रदेश के कंपोजिट विद्यालयों में केवल 918 शिक्षक कार्यरत थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 1,85,408 पहुंच गई। इस तरह दोनों वर्षों के आंकड़ों के बीच करीब 1.84 लाख का अंतर दर्ज किया गया है। यह बदलाव प्रदेश में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के एकीकरण तथा कंपोजिट विद्यालयों के विस्तार की प्रक्रिया से जुड़ा है। इस व्यवस्था के तहत अलग-अलग शैक्षिक स्तरों को एक ही परिसर में संचालित करने पर जोर दिया गया, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई की बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो सके।

>> (शेष पेज 06 पर)

> इस व्यवस्था के तहत विद्यालयों में शैक्षिक संसाधनों का समन्वित उपयोग, शिक्षण गतिविधियों का बेहतर संचालन और विद्यार्थियों की पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। हालांकि, इसका वास्तविक लाभ विद्यालयों में उपलब्ध शिक्षकों, कक्षाओं, शिक्षण सामग्री और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर भी निर्भर करता है।





2016-17 में 918 थी शिक्षकों की संख्या

आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या वर्ष 2016–17 में महज 918 थी, जो वर्ष 2025–26 में बढ़कर 1,85,408 हो गई। यानी नौ वर्षों में कम्पोजिट विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या में करीब 1.84 लाख की वृद्धि हुई है।

कंपोजिट विद्यालयों की संख्या 225 से बढ़कर 24,605 हुई

प्रदेश में कंपोजिट विद्यालयों के विस्तार को भी बेसिक शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यू-डायस के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017-18 में उत्तर प्रदेश में 225 कंपोजिट विद्यालय थे। वर्ष 2025-26 में इनकी संख्या बढ़कर 24,605 हो गई। इस प्रकार दोनों वर्षों के बीच कंपोजिट विद्यालयों की संख्या में 24,380 की वृद्धि दर्ज की गई।

शिक्षक हित में कैशलेस इलाज और प्रशिक्षण की व्यवस्था

बेसिक शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के साथ शिक्षकों के हित में सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है। सरकार की ओर से शिक्षकों के लिए पांच लाख रुपये तक की मुफ्त कैशलेस चिकित्सा सुविधा का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2026-27 में नियमित प्रशिक्षण के लिए 58 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की जानकारी दी गई है।

मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों की छुट्टी और वेतन से संबंधित प्रक्रियाओं को आसान बनाने का भी प्रयास किया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक विद्यालय में सहयोग के लिए दो टैबलेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था का उल्लेख किया गया है। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षकों को प्रशासनिक और तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ शिक्षण कार्य को सुचारु बनाना है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना अगली चुनौती

प्रदेश में विद्यालयों की संख्या और शिक्षकों की उपलब्धता में वृद्धि के साथ अब शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। नियमित प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल और स्कूलों में बेहतर शैक्षिक माहौल से ही इन प्रयासों का लाभ विद्यार्थियों तक पहुंच सकेगा। ऐसे में बेसिक शिक्षा व्यवस्था के विस्तार के साथ पढ़ाई के स्तर और बच्चों के सीखने के परिणामों पर भी ध्यान देना जरूरी होगा।

स्कूलों में डिजिटल संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विद्यालय को दो टैबलेट उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी शामिल है। वहीं, मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों की छुट्टी, वेतन और सेवा से जुड़े कार्यों को आसान बनाने का प्रयास किया जा रहा है। डिजिटल संसाधनों और ऑनलाइन प्रक्रियाओं के विस्तार से विभागीय कामकाज को अधिक सुविधाजनक बनाने की उम्मीद है।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर

प्रदेश में कंपोजिट विद्यालयों की संख्या और उनमें शिक्षकों की उपलब्धता से जुड़े आंकड़े बेसिक शिक्षा व्यवस्था के विस्तार को दर्शाते हैं। विद्यालयों के एकीकरण, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल सुविधाओं और शिक्षक हित से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन केवल विद्यालयों और शिक्षकों की कुल संख्या से नहीं किया जा सकता। इसके लिए विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, विद्यालयों में शिक्षकों की वास्तविक उपलब्धता, बुनियादी सुविधाओं और नियमित शिक्षण की स्थिति को भी देखना जरूरी है।

महाराष्ट्र-मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 में बदलाव का प्रस्ताव भेजा

कहा- ये न पूछा जाए कि पहली बार नाम जुड़वा रहे, लोग इससे डर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

मूबंई। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 में बदलाव का प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेजा है। इससे SSR में हटे वोटर दोबारा नाम जुड़वा सकेंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि जो लोग वोटर लिस्ट में दोबारा नाम जुड़वाना चाहते हैं, ऐसे वोटरों से पहली बार वोटर बनने की घोषणा न कराई जाए। क्योंकि झूठी घोषणा पर एक साल तक जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

अधिकारियों का कहना है कि लोग इससे डर रहे हैं। कई BLO ने भी इस बात की शिकायत की है। यह प्रस्ताव पिछले हफ्ते भेजा गया। महाराष्ट्र में SSR अभी चल रहा है।

यहां ड्राफ्ट रोल से हटे पुराने वोटरों को भी Form-6 से नाम जुड़वाने को कहा जा रहा है। फर्जी घोषणा करने पर जनप्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 31 के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसमें एक साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

> फॉर्म-6 में अभी ये बताना होता है कि वह पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वा रहा है। फॉर्म में ये जानकारी देनी की बात पहली बार जोड़ी गई है। फॉर्म में यह भी घोषित करना होता है कि उसका नाम किसी विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल नहीं है।



सौरव और आशुतोष को रिहा किया जाए : सीजेपी

स्पेशल कोर्ट आज फैसला लेगी, 5 दिन पहले जंतर-मंतर से पकड़े गए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई की मांग की है। दोनों तिहाड़ जेल में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। CJP की कानूनी टीम ने स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने जमानतदारों के दस्तावेज जमा किए हैं। दोनों की रिहाई पर रविवार दोपहर तक फैसला आने की उम्मीद है। दरअसल, पुलिस ने दोनों को अन्य CJP कार्यकर्ताओं के साथ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 13 अक्टूबर को पकड़ा था। इसके बाद स्पेशल कोर्ट ने दोनों को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों ने शांति बनाए रखने के बांड का उल्लंघन किया और जंतर-मंतर में प्रवेश किया।

>> (शेष पेज 06 पर)



पहले भी 50 हजार के मुचलके पर छूटे थे सीजेपी टॉप लीडर्स

सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर और SIR के विरोध में 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था।

उस दिन सुबह सौरव दास व आशुतोष रांका को CJP फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही पुलिस ने हिरासत में लिया था। तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था।

फास्ट न्यूज

कोलकाता के दुर्गा पंडाल में भगदड़, 19 की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शनिवार शाम चोरबागान दुर्गा पंडाल में भगदड़ मच गई। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। हादसे में 25 लोग घायल हैं, हालांकि कोलकाता मेडिकल कॉलेज के सूत्रों ने 20 लोगों की मौत और 45 से ज्यादा लोगों के घायल होने का दावा किया।

कई राज्यों में बारिश का अलर्ट, यूपी में बाढ़ से फसलें बर्बाद

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल, गोवा और पुडुचेरी में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मौसम में बदलाव हुआ है। जयपुर में शनिवार शाम को मौसम बदला और कई इलाकों में तेज बारिश हुई।

उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी से तापमान माइनस में पहुंच गया है। केदारनाथ में तापमान करीब -6°C, बद्रीनाथ में -5°C और गंगोत्री में -5°C के आसपास रहा।

जम्मू- आर्मी अफसर की पत्नी ने जासूसी की

जम्मू। जम्मू में एक आर्मी अफसर की पत्नी के खिलाफ जासूसी के आरोप में केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, महिला ने चैटजीपीटी और क्लाउड जैसे AI टूल्स की मदद से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील विषयों पर नोट्स तैयार किए थे। आरोप है कि ये पेपर चीनी खुफिया एजेंसियों से जुड़े लोगों के लिए तैयार किए गए थे।

टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में हुई 5 राउंड फायरिंग

लॉरेंस गैंग ने कहा- जो सलमान के साथ काम करेगा

सनसनी

तमसा संकेत, एजेंसी



मुंबई। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में फायरिंग हुई है। जुहू में बाइक सवारों ने उन पर 5 राउंड फायरिंग की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ अपनी कार से फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे। जब वह जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास थे, तभी एक बाइक पर सवार होकर तीन लोग वहां पहुंचे। हमलावरों ने बिना किसी कहासुनी के अचानक टाइगर की गाड़ी पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुए इस हमले में टाइगर के ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा वाले को भी गोलियां लगी हैं। घटना के तुरंत बाद घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया। मुंबई पुलिस का कहना है कि टाइगर सुरक्षित हैं। हमलावरों की तलाश की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित और हरमन संधू ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

भारत न तो बांग्लादेश न फ्रांस : रिजिजू

इंडिया में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन सिर्फ चुनावों के जरिए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। रिजिजू ने कहा कि ऐसी खतरनाक साजिश रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। आपको हमारा लाल सलाम। आज भारत में जो जेन-जी आंदोलन हो रहा है, वह सबसे पहले बांग्लादेश में शुरू हुआ। आपने हमें रास्ता दिखाया, इसके लिए हम आपके शुक्रगुजार हैं। हम जानते हैं कि बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों के लिए था। आज भारत में युवा जिस आंदोलन में हिस्सा ले रहे हैं, वह भी लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। हम जानते हैं कि बांग्लादेश में युवा धार्मिक कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा को दिखाया गया है। दरअसल 14 अक्टूबर पहले नेहा बोरा का बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के समर्थन वाला वीडियो सामने आया था।

भाजपा बोली थी- राहुल लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे

भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा- बांग्लादेश में क्या हुआ, यह साफ है। एक इस्लामवादी समूह ने भीड़ का इस्तेमाल करते हुए अराजकता फैलाई और पूरी व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की। उनका मकसद सत्ता परिवर्तन था। नेहा बोरा भी भारत में बांग्लादेश जैसा अराजक आंदोलन चाहती हैं। भंडारी ने कहा- अब यह स्पष्ट है कि जब राहुल गांधी लोकतांत्रिक तरीकों से अपने परिवार को सत्ता में लाने में विफल रहते हैं, तो वह अपने पूरे इकोसिस्टम के साथ भारत में लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। राहुल का उद्देश्य लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता को वैधता देना है।



नेहा बोरा ने कहा था- भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश से प्रेरित

नेहा बोरा ने दो दिन पहले बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (SSF) को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था।

●12 अक्टूबर: दिल्ली में INDIA ब्लॉक के मार्च के दौरान नेहा बोरा राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ सबसे आगे नजर आईं।

विवाद : हर राज्य में वोट चोरी की बात कहता हूं, ज्ञानेश जानते हैं कीमत चुकानी होगी

मुझ पर केस किया तो मामला लीगल हो जाएगा : राहुल गांधी

तमसा संकेत, एजेंसी



पणजी। राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में हम कुछ ही समय में पीएम, गृहमंत्री से निपट लेंगे। काम जारी है। सरकार की एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल पीएम सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान 'गोय राखोन यात्रा' में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन लंबी यात्रा का समापन हुआ है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल बोले- हर एजुकेशनल सिस्टम में आरएसएस के लोग बैठे हैं

राहुल ने कहा- पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएस-एस के लोग बैठे हुए हैं।

राहुल ने कहा- आप गोवा के बारे में सोचिए। दिल्ली में हम कुछ ही समय में हम पीएम मोदी, अमित शाह से निपट लेंगे। काम जारी है। एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल नरेंद्र मोदी सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है।

राहुल की स्पीच, 4 बड़ी बातें, कहा- एजुकेशन सिस्टम में आरएसएस के लोग

1. **हर एजुकेशन सिस्टम में RSS के लोग:** पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं।

2. **कांग्रेस करप्शन मॉडल खत्म करेगी:** हाईटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं। जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था। वैसे ही गोवा में करप्शन का मॉडल है। इसे सिर्फ कांग्रेस ही खत्म कर सकती है।

3. **देश मे सबसे ज्यादा बेरोजगारी गोवा में:** पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। इनका यही काम है। गोवा की जनता को लूटने का, आपकी जमीन छीनकर अरबपतियों को देने का।

4. **गोवा में सरकार आपकी जमीन छीन रही:** गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया।

महाराष्ट्र- बीड में बस और कार की टक्कर, 5 मौतें

महाराष्ट्र- बीड में बस और कार की टक्कर, 5 मौतें

टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी



बीड। महाराष्ट्र के बीड में तुलजापुर जा रहे श्रद्धालुओं को ले जा रही एक कार की राज्य परिवहन की बस से टक्कर हो गई। जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटनास्थल पर पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई और राहत व बचाव का काम शुरू किया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में भारत में सड़क हादसों से 1.77 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इसका मतलब है कि देश में रोज करीब 485 और हर घंटे लगभग 20 लोग जान गंवा रहे हैं। इन मौतों की सबसे बड़ी वजह तेज रफ्तार और हेलमेट या सीटबेल्ट न लगाना है। 17 अक्टूबरः नांदेड़ जिले के माहुर तहसील स्थित केरोली घाट पर सामने से आ रहे वाहन की तेज रोशनी के कारण श्रद्धालुओं से भरा एक पिकअप/टेंपो 100 फीट गहरी खाई में गिर गया।

कहा- मतदाता सूची में फर्जी वोट जुड़वाने और असली वोट कटवाने की साजिश

बूथों पर सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता

दावा

- भाजपा पर अखिलेश का वोट चोरी का आरोप
- 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाने का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर चुनाव में बेईमानी करने और मतदाता सूची में गड़बड़ी कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर सतर्क रहने की अपील की। रविवार को सपा प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा फर्जी वोट बनवाने और विरोधी दलों के वास्तविक मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से वोट चोरी और चंदा चोरी के प्रति जनता को जागरूक करने का आह्वान किया। अखिलेश यादव ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में 26 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालय बंद किए गए हैं, जबकि शराब की दुकानों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों के शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की नीतियों से स्कूली शिक्षा प्रभावित हुई है।



2027 में सत्ता परिवर्तन का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास कार्य प्रभावित हुए हैं और सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार तथा लूट के मामले सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता भाजपा की नीतियों से नाराज है और आगामी विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में भाजपा उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर हो जाएगी।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर सरकार पर निशाना

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अन्याय-अत्याचार से परेशान है। उन्होंने भाजपा पर भूमाफिया को संरक्षण देने तथा गरीबों, असहायों और सरकारी जमीनों पर कब्जे के मामलों में कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न्याय मांगने वालों को उल्टा फंसाया जाता है और कई मामलों में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में रहती है।

पेपर लीक के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने भाजपा सरकार पर परीक्षा व्यवस्था को ठीक से संचालित नहीं कर पाने और किसानों, नौजवानों, शिक्षकों तथा छात्रों को निराश करने का आरोप लगाया।



> सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा सरकार से परेशान जनता प्रदेश में सत्ता परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि पीडीए एकजुट है और उसकी एकता से भाजपा सरकार घबराई हुई है। उनके मुताबिक, पीडीए से जुड़े लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है और उन्हें अपमानित तथा प्रताड़ित किया जा रहा है।

लखनऊ में डेंगू मरीजों की संख्या 511 पहुंची

अलीगंज, आलमबाग और इंदिरानगर में सबसे ज्यादा केस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में डेंगू मरीजों की संख्या 500 से ज्यादा हो चुकी है। रविवार को डेंगू के 13 नए संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा पॉजिटिव केस आलमबाग और अलीगंज में मिले हैं। इसके अलावा इंदिरानगर में भी 2 डेंगू संक्रमित मिले है। साथ ही टुडियागंज, एनके रोड और रेड क्रॉस में भी एक-एक केस रिपोर्ट हुए है।

वहीं, नगर निगम के जोनवार क्षेत्र में सबसे ज्यादा 108 मरीज जोन-8 में मिले है। यहां पर आशियाना, LDA कॉलोनी, शारदानगर, बिजली पासी, विद्यावती और अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड जैसे इलाके है। इसके बाद जोन-4 में 87 और जोन-3 में 60 मरीज मिले हैं।

जोन-4 के चिनहट द्वितीय, शहीद भगत सिंह प्रथम, गोमतीनगर, खरगापुर-सरसवां और इस्माइलगंज में अब तक 87 मरीज मिल चुके हैं।



वहीं, जोन-3 के अलीगंज, केशवन-गर, त्रिवेणीनगर, खदरा और फैजुल्लागंज में 60 मरीज मिले हैं।

जोन-6 में ठाकुरगंज, चौक, बालागंज, हुसैनाबाद, मल्लाहीटोला, आलमनगर और सआदतगंज समेत कई इलाकों में 59 मरीज मिले हैं। जोन-7 के इंदिरानगर, विकासनगर, खुर्रमनगर, मल्हौर, भरवारा, कमता और पॉलीटेक्निक के आसपास 56 मामले सामने आए हैं। जोन-1 में 28 और जोन-2 में 30 मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, बारिश के बाद जमा पानी, कूलर, गमलों और पुराने टायरों में डेंगू के मच्छरों का लार्वा पनप सकता है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में रामलीला आयोजित

लखनऊ। लखनऊ में श्री रामलीला दशहरा कमेटी की ओर से सेक्टर-एफ, हिंद नगर, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड पर आयोजित रामलीला के सातवें दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। राम-सुग्रीव मित्रता, बालि वध, सीता खोज और लंका दहन की लीलाओं का मंचन किया गया। इस दौरान जय श्रीराम के जयघोष से परिसर गूंज उठा। कमेटी के महामंत्री आलोक शुक्ला ने बताया कि आगामी दिनों में रामलीला का मंचन जारी रहेगा।

एमिटी स्कूल में डांडिया नाइट आयोजित

लखनऊ। लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और अतिथियों ने डांडिया नृत्य, संगीत और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में एसडी-एसएन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अवनीकमल, पायनियर मॉन्टेसरी स्कूल की प्रधानाचार्या शर्मिला सिंह और अलायंस क्लब्स इंटरनेशनल के पदाधिकारी शामिल हुए।

आयोजन में डांडिया नृत्य के साथ डीजे, फूड स्टॉल और आकर्षक एक्सेसरीज़ के स्टॉल लगाए गए। लोगों ने खानपान और खरीदारी का आनंद लिया।

अखिलेश, राहुल, आजम को रावण बनाया

लखनऊ। लखनऊ में एक बार फिर से होर्डिंग की सियासत देखने को मिली। रविवार सुबह शहर के अलग-अलग हिस्सों में दशहरे से पहले होर्डिंग लगाए गए। इन पर रावण के 10 सिरों को बाहुबलियों और नेताओं के सिर के रूप में दिखाया गया है। पहला सिर अखिलेश यादव, उसके बाद एलन मस्क, मोहम्मद युनुस, बीच में मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद की तस्वीर, उसके बाद आजम खान, इल्हान उमर, जॉर्ज सोरोस और राहुल गांधी की तस्वीर लगी है।

राजधानी में एबीवीपी का सीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन

बोले- नेहा बोरा धूल है, विद्यार्थी परिषद आंधी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन किया। रविवार को दोपहर डेढ़ बजे लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 पर ABVP के करीब 200 कार्यकर्ता-पदाधिकारी इकट्ठा हुए। भगवा झंडे और पटकों के साथ इकट्ठा हुए कार्यकर्ताओं के हाथ में पोस्टर थे। कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में किए गए कॉकरोच जनता पार्टी और AISA समेत विभिन्न संगठनों के प्रदर्शनों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग को गैरकानूनी बताया। कार्यकर्ता लखनऊ विश्वविद्यालय से हजरत-गंज चौराहे तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोकने की कोशिश की। इस दौरान



कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर हंगामा करने लगे। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शनकारियों के पोस्टरों पर लिखा था- 'लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमला नहीं सहेंगे' 'कॉकरोच पार्टी मुर्दाबाद'। नारे लगा रहे थे 'तुम वामपंथ से तोड़ोगे, हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे'। छात्रों ने कहा- नेहा बोरा, अभिजीत दीपके और ध्रुव राठी देश के खिलाफ हैं। नेहा धूल है, ABVP आंधी है। अर्पण कुशवाहा ने कहा कि जो राष्ट्रविरोधी ताकतें दिल्ली में जमा हुईं, आज हम उन ताकतों के खिलाफ एकत्रित हुए हैं।

मंडल की इकलौती महिला बस चालक रोज लगाती हैं अलीगढ़ से नोएडा के बीच चार चक्कर

शक्ति स्वरूपा सोनू ने परंपरा तोड़कर संभाला बस का स्टीयरिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

अलीगढ़। नवरात्रि के पावन पर्व पर जहां घर-घर मां भगवती की आराधना हो रही है, अलीगढ़-नोएडा हाइवे प्रतिदिन नारीशक्ति का खामोश गवाह बनता है। अलीगढ़ की सोनू मलान जब इस मार्ग पर रोडवेज बस चलाते हुए गुजरती हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'सशक्त नारी-समृद्ध उत्तर प्रदेश' नारा चरित्रार्थ होता दिखाई देता है। पुरुष प्रधान माने जाने वाले परिवहन क्षेत्र में सोनू ने मेहनत और हौसले से अलग पहचान बनाई है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में बस चालक के पद पर तैनात सोनू रोज करीब 540 किलोमीटर बस चलाकर यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाती हैं। उनका सफर उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो



सोशल मीडिया पर 10 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स योगी सरकार की पहल से साकार हुआ सपना

परंपरागत सोच से आगे बढ़कर अपनी अलग राह बनाना चाहती हैं। योगी सरकार की पहल से परिवहन जैसे क्षेत्र में महिलाओं को अवसर मिलना महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मिशन शक्ति का समग्र उद्देश्य भी नारी सुरक्षा, शिक्षा, सम्मान व स्वावलंबन से जुड़ा है। सोनू मलान की कहानी बताती है कि सही अवसर, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति से महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी जगह बना सकती हैं। सोनू को बचपन से ही गाड़ियां चलाने का शौक था। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने गांव में खेती-किसानी के काम के लिए ट्रैक्टर चलाना शुरू कर दिया था। गाड़ियां चलाने के प्रति उनका यही शौक आगे चलकर जुनून बन गया। वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में महिला बस चालकों की नियुक्ति का अवसर आया, तो सोनू ने भी इसमें रुचि दिखाते हुए आवेदन किया। चयनित महिलाओं में अलीगढ़ की सोनू मलान और गाजियाबाद के सिकंदराबाद क्षेत्र की वेद कुमारी शामिल थीं।

मंडल की इकलौती महिला बस चालक

अलीगढ़ के जट्टारी क्षेत्र स्थित हजियापुर गांव की रहने वाली 28 वर्षीय सोनू मलान ने वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में बस चालक के पद पर कार्यभार संभाला था। वह अलीगढ़ मंडल की इकलौती महिला बस चालक हैं। सोनू अलीगढ़ से नोएडा के बीच रोडवेज बस चलाती हैं और दिन में चार चक्कर लगाकर करीब 540 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं। जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ वह रोज यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं। स्टीयरिंग व्हील पर एक लड़की को देखकर कई बस यात्रियों के चेहरे पर आश्चर्य के भाव आते हैं, लेकिन सोनू की कुशल ड्राइविंग देखकर वे उनकी तारीफ करना और धन्यवाद करना भी नहीं भूलते।



अलीगढ़ मंडल की इकलौती महिला रोडवेज बस चालक सोनू मलान

सोशल मीडिया पर भी लोकप्रिय हैं सोनू

सोनू मलान की पहचान सिर्फ सड़कों तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी लोकप्रियता है। उनके यूट्यूब पर करीब दो लाख, इंस्टाग्राम पर डेढ़ लाख और फेसबुक पर साढ़े छह लाख फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर बस चलाने से जुड़े वीडियो साझा करती हैं, जिन्हें लोग पसंद करते हैं। इस तरह सोनू अपने काम के जरिए न सिर्फ यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचा रही हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी महिलाओं को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का संदेश दे रही हैं।

सरोजनीनगर के अमौसी गांव में पुलिस ने बताए हेल्पलाइन नंबर

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं बच्चों को किया जागरूक

- साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। शारदीय नवरात्रि के अष्टम दिन 18 अक्टूबर 2026 को मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के दौरान महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों तथा पुलिस की विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।



कार्यक्रम में पुलिस ने महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ और पिंक स्कूटी जैसी सुविधाओं के बारे में बताया। साथ ही आपातकालीन सहायता के लिए 112, अग्निशमन सेवा के लिए 101, बच्चों की सहायता के लिए 1098, एंबुलेंस सेवाओं के लिए 108 और 102, महिला हेल्पलाइन 1090 व 181 तथा जनसुनवाई हेल्पलाइन 1076 सहित महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने लोगों को साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए। ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने और यूपी कॉप एप के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने के बारे में भी जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी समस्याओं के मामले में उपलब्ध सहायता सेवाओं का इस्तेमाल करने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में लोगों को जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए।

50 हजार रुपए के लेनदेन में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में प्रॉपर्टी डीलर अरविंद रावत (39) की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी सूरज रावत फरार है। पुलिस के मुताबिक, हत्या की वजह 50 हजार रुपए का लेनदेन था। मुख्य आरोपी अमन धीमान को मृतक को रकम देनी थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपियों ने ईंट, पत्थर और हथौड़े से हमला कर अरविंद की हत्या कर दी।

अरविंद रावत मोहम्मदपुर रसूलपुर के रहने वाले थे। 13 अक्टूबर को उनका शव बीकेटी क्षेत्र में अचरामऊ से मलाक जाने वाले कच्चे रास्ते पर मिला था। शव के सिर और पैर बोरे से ढके थे। सिर बुरी तरह कुचला हुआ था। शरीर के सिर, गर्दन, पेट और हथेली पर चोट के निशान थे।

सपाइयों का ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन

'पाप का घड़ा' लिखा पोस्टर लगाकर मटकी फोड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अपने सिर पर मटकी रखा था। मटकी के ऊपर 'पाप का घड़ा' लिखकर पोस्टर लगा रखा था। कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर पहुंचकर मटकी को फोड़ा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के पाप का घड़ा भर चुका है।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस के ऊपर प्रदर्शनकारियों ने अभद्रता का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वोट चोरों की सरकार है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की। वहीं प्रदर्शनकारी महिलाएं सड़क



पर लेट गईं। पुलिस उन्हें टांगकर ईको गॉर्डन ले गई। प्रदर्शन कर रही संजना ने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र की हत्या किया है। जब तक उनका इस्तीफा नहीं हो जाएगा हम लोग रोड पर रहेंगे। 35 करोड़ से ज्यादा वोट चोरी करके अलग-अलग राज्यों में और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मदद किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। हम लोग लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे।

सहायता : दिव्यांगजनों की सुगम पहुंच, आपदा सुरक्षा, जल संरक्षण और सुनियोजित ग्रामीण विकास पर विशेष जोर

'विकसित भारत -जी राम जी से सशक्त हो रहे गांव'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विकसित भारत -जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, रोजगार सृजन, जल संरक्षण, आपदा प्रबंधन और सुनियोजित विकास को नई गति मिल रही है । योजना के अंतर्गत ऐसे कार्यों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिनसे गांवों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत हों, ग्रामीणों का जीवन सुगम बने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप टिकाऊ विकास सुनिश्चित किया जा सके। इससे दिव्यांगजनों को



सरकारी भवनों तक पहुंचने तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था सुगम आवागमन के साथ समान अवसर और समावेशी विकास की भावना को भी मजबूत करेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा के समय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस योजना के अंतर्गत अति विषम मौसमी घटनाओं एवं आपदा सुसज्जता से संबंधित कार्यों के तहत बाढ़ राहत आश्रयों का निर्माण अनुमन्य है। इससे बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी। आपदा के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। मौर्य ने कहा कि जल संरक्षण ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है। गांवों में अमृत सरोवरों के माध्यम से वर्षा जल के संचयन, जल उपलब्धता में सुधार और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा मिल रहा है। अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण के केंद्र ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों और सामुदायिक सहभागिता के महत्वपूर्ण स्थल भी बन रहे हैं।

मौर्य ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकारी भवनों को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाना महत्वपूर्ण है। इस योजना के अंतर्गत मूल ग्रामीण अवसंरचना श्रेणी में सरकारी भवनों में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए सीढ़ियों एवं रैंप का निर्माण अनुमन्य है।

उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को प्रोत्साहन

मौर्य ने कहा कि ग्रामीण विकास की योजनाओं को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप तैयार करना समय की आवश्यकता है। इस योजना के अंतर्गत युक्तधारा प्लेटफॉर्म डिजिटल मानचित्रण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाने में उपयोगी है। इस प्लेटफॉर्म पर जल, भूमि और आधारभूत संरचनाओं सहित विभिन्न संसाधनों से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करने और उपयुक्त कार्यों को प्राथमिकता देने में मदद मिलती है। इससे विकास कार्यों के चयन एवं नियोजन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को प्रोत्साहन मिलता है।

मॉडल श्रद्धा दुबे पहली बार मीडिया के सामने आई

बोली- मैंने हत्या नहीं की, शिवा को चौथी मंजिल से कूदते देखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ पुलिस की 10 टीमें जिस मॉडल श्रद्धा दुबे को 9 दिनों से तलाश रही हैं, वह रविवार को पहली बार मीडिया के सामने आई। उसने कहा, 'मैंने शिवा की हत्या नहीं की है। शिवा मेरी आंखों के सामने बिल्डिंग की चौथी मंजिल से कूदा था।'

श्रद्धा ने शाम करीब 6 बजे अज्ञात लोकेशन पर ANI न्यूज एजेंसी को करीब 3 मिनट की बाइट दी। आधे घंटे पहले ही पुलिस ने श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश पर 25 हजार से बढ़ाकर 50 हजार इनाम किया था।

मामले में किरकिरी होने के बाद हजरतगंज इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया है। 9



अक्टूबर को करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा की अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई थी। तब से श्रद्धा फरार है। दावा है कि वह लखनऊ से सीतापुर होते हुए बहराइच के रास्ते नेपाल पहुंच गई थी। पुलिस उसकी सटीक लोकेशन नहीं तलाश सकी। वह पुलिस को लगातार चकमा दे रही है। उसने लखनऊ कोर्ट में सरेंडर के लिए अर्जी भी दाखिल कर दी है। उसके कथित सफेदपोश और नौकरशाह मददगारों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। श्रद्धा ने कहा- सारे आरोप बेबुनियाद हैं। किसी के कह देने से कि हमने हत्या कर दी है, साबित नहीं होता है। हमने हत्या नहीं की है। वह एक सुसाइड था और वह मैंने अपनी आंखों से देखा कि वह मेरी ही बिल्डिंग से चौथे मंजिल से छलांग मार गया। अगर सीसीटीवी कैमरे निकलेंगे तो उसमें मैं साफ-साफ बेकसूर साबित हो जाऊंगी। कैमरे अभी तक नहीं निकले हैं। मेरे नेपाल बॉर्डर के कैमरे निकाले गए, लेकिन क्या मेरी बिल्डिंग के कैमरे निकालने में प्रॉब्लम हो रही है? मेरी बिल्डिंग के कैमरे निकाले जाएंगे, तब उसमें मैं बेकसूर साबित हो सकती हूं।

68 अपराधियों को बुलाकर पुलिस ने दी चेतावनी

हाथों में तख्तियां लेकर बोले- नारी शक्ति का सम्मान करेंगे, अब अपराध नहीं करेंगे

सख्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में अपराध पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए उन्नाव पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में रविवार को अचलगंज थाने में अभियान चलाकर 68 अपराधियों को बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने सभी को अपराध से दूर रहने और भविष्य में किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होने की हिदायत दी। इस दौरान अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह अभियान एसएसपी जयप्रकाश सिंह और एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में



चलाया गया। अचलगंज थाने में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने अपराधियों को उनके कृत्यों के परिणामों के प्रति सचेत किया और उन्हें सामान्य जीवन जीने की सलाह दी। पुलिस का उद्देश्य अपराधियों को चेतावनी देने के साथ ही उन्हें अपराध की राह छोड़कर कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करना है, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे। अचलगंज थाने में रविवार दोपहर करीब एक बजे आयोजित अभियान के दौरान 68 अपराधियों को बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से न केवल कानून का उल्लंघन होता है।

अपराधियों पर पुलिस की नजर

पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के जरिए अपराधियों को चेतावनी देने के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बिगाड़ने और आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। थाने में 68 अपराधियों को बुलाकर दी गई चेतावनी को अपराध नियंत्रण की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। अब पुलिस की निगरानी में इन लोगों के आचरण और गतिविधियों पर नजर रखे जाने की अपेक्षा है।

तख्तियां लेकर अपराध से दूर रहने का लिया संकल्प

अभियान के दौरान अपराधियों ने हाथों में तख्तियां लेकर अपराध न करने का संकल्प जताया। उन्होंने भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होने और नारी शक्ति का सम्मान करने की बात कही। पुलिस ने उन्हें महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखने तथा महिलाओं से जुड़े अपराधों और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी। पुलिस की ओर से इस गतिविधि के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। महिलाओं के प्रति गलत व्यवहार, उत्पीड़न या किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को गंभीरता से लिया जाएगा।



लूट और चोरी की घटनाओं में शामिल रहे अपराधियों को चेतावनी

पुलिस ने थाने पहुंचे अपराधियों को लूट, चोरी समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी तरह की आपराधिक घटना में संलिप्तता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने सख्त लहजे में कहा, "अपराध किया तो जिन पैरों से आओगे, उनसे वापस नहीं जाओगे।" पुलिस की ओर से दिए गए इस संदेश का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय पैदा करना और उन्हें दोबारा अपराध करने से रोकना बताया गया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी तथा आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी। अपराध की राह छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने वालों को सुधार का अवसर देने के साथ कानून तोड़ने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू' की होर्डिंग फाड़ीं

सवायजपुर में धार्मिक-सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश पर एफआईआर दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी



हरदोई। हरदोई जनपद के सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह 'रानू' की क्षेत्र में लगी होर्डिंग फाड़ने से संबंधित मामला सामने आया है। दावा किया गया पिछले 6 माह से अराजकतत्व सामाजिक सद्भाव और विधायक की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में सवायजपुर कोतवाली में कस्बा निवासी रोहित सिंह ने दंगा भड़काने की कोशिश और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा शनिवार की देर रात 11:06 पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है होर्डिंग, पोस्टर फाड़ने के साथ चोरी के उद्देश्य से विधायक आवास मार्ग पर लगा स्टील का बोर्ड भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। शिकायत में बताया गया है कि पिछले करीब छह महीनों से कुछ अराजक तत्व योजनाबद्ध तरीके से क्षेत्र का माहौल खराब करने पर आमादा हैं। 15 अक्टूबर की रात माता गोवर्धनी मंदिर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान व भागवत कथा के मुख्य मार्ग पर लगे पोस्टरों को फाड़ दिया गया। इसके अगले ही दिन 16 अक्टूबर की मध्य रात्रि को मुख्य मार्ग की होर्डिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया गया और विधायक आवास मार्ग पर लगे स्टील के बोर्ड को भी चोरी के उद्देश्य से क्षतिग्रस्त करने पीड़ित के मुताबिक, लगातार हो रही इन वारदातों से इलाके में तनाव पैदा करने की नापाक कोशिश की जा रही है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर गहन छानबीन शुरू कर दी है।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में 126 गुमशुदा मोबाइल बरामद

उन्नाव। उन्नाव में एसएसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत जनपद की सर्विलांस टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुमशुदा हुए 126 एंड्रॉएड मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

नामर्द कहने वाली राखी सावंत बोलीं- जेल जाना मंजूर

झांसी। झांसी कोर्ट ने शनिवार को बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत के खिलाफ गैर जमानती वारंट (NBW) जारी किया है। 16 साल पहले 'राखी का इंसाफ' शो में राखी सावंत ने झांसी के रहने वाले 24 साल के लक्ष्मण प्रसाद अहिरवार को नामर्द कहकर बेइज्जत किया था। इससे सदमे में आकर लक्ष्मण की मौत हो गई थी। उनकी मां की शिकायत पर राखी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। समन पर राखी सावंत कोर्ट में पेश नहीं हो रही थीं। गैर जमानती वारंट पर राखी सावंत ने कहा- जेल भी जाना पड़े, तो चले जाएंगे।

बिना लाइसेंस घर में जमा किए थे पटाखे

रायबरेली। रायबरेली के कोतवाली नगर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के घर के बगल में बने मवेशियों के कमरे से तीन कार्टूनों में रखे पटाखे बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पटाखों के भंडारण और बिक्री से संबंधित कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा सका।

पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आया युवक

उन्नाव में हुआ हादसा, ई-रिक्शा चलाकर पालता था परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव में घर में पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आने से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। हादसा शनिवार देर रात बिहार थाना क्षेत्र के पन्हान के पास हुआ। घटना के बाद परिजन उसे बचाने का प्रयास करते रहे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। रविवार दोपहर करीब दो बजे पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद परिजनों ने हादसे की जानकारी दी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान 34 साल के रमन पुत्र स्व. जयराम के रूप में हुई है। वह रायबरेली जिले के गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के मेरामऊ गांव का निवासी था। परिजनों के मुताबिक, रमन अपने मामा के यहां रहकर ई-रिक्शा चलाता था। उसकी पत्नी भी उसके साथ रहती थी। परिवार में दो बेटे हैं। रमन ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि रमन घर में पंखा लगा रहा था। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया। अचानक हुए हादसे से घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन करंट लगने से उसकी हालत गंभीर हो गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। रमन की मौत से पत्नी और दो बेटों के सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। वह ई-रिक्शा चलाकर घर का खर्च उठाता था।

आईटी हब से युवाओं को रोजगार मिलेगा

विधायक पंकज गुप्ता बोले- चार-पांच साल में जिले की तस्वीर बदलेगी

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव में करीब चार हजार करोड़ रुपये की लागत से आईटी हब विकसित करने की योजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। आने वाले चार से पांच वर्षों में उन्नाव की तस्वीर बदली हुई नजर आएगी। यह बात सदर विधायक पंकज गुप्ता ने रविवार को दोपहर तीन बजे जिले में प्रस्तावित विकास परियोजनाओं, औद्योगिक निवेश और जर्जर सड़कों की स्थिति पर चर्चा के दौरान कही। विधायक ने आईटी हब की सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इस परियोजना से जिले के विकास को नई दिशा मिलेगी। आईटी क्षेत्र में निवेश आने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। गांधीनगर चौराहे से गदनखेड़ा तक जर्जर सड़क और जगह-जगह गड्ढों के कारण लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठने पर विधायक ने मार्ग की खराब स्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि सड़क पर डिवाइडर और ग्रिल लगाने का काम आवास विभाग की ओर से कराया गया था, जिसके कारण मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रांस गंगा सिटी में दिखने लगा विकास

औद्योगिक क्षेत्रों में बड़े निवेश के बावजूद विकास कार्यों की गति धीमी होने के सवाल पर विधायक ने ट्रांस गंगा सिटी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां विकास कार्य दिखाई देने लगे हैं।

गंगा पर कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए दो पुलों की व्यवस्था की जा रही है।

इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे और अन्य एक्सप्रेसवे के आसपास औद्योगिक गलियारों को विकसित करने की योजना है, जिसके तहत उद्योगों को निवेश के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। पंकज गुप्ता ने दावा किया कि कुछ औद्योगिक इकाइयों में तेजी से काम शुरू हुआ है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले चार से पांच वर्षों में जिले में औद्योगिक गतिविधियों और विकास परियोजनाओं का असर दिखाई देने लगेगा।

एससीआर, मोनो रेल और रैपिड रेल परियोजनाओं का किया जिक्र

पंकज गुप्ता ने कहा कि पिछले छह महीने से मुख्यमंत्री का ध्यान उन्नाव के विभिन्न क्षेत्रों के विकास पर है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्नाव को एससीआर में शामिल करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही मोनो रेल, रैपिड रेल और कानपुर की स्मार्ट सिटी से जुड़ी ट्रेन को उन्नाव तक लाने की अनुमति का भी उन्होंने उल्लेख किया।

विधायक के मुताबिक, जिले में एक्सप्रेसवे, रिंग रोड और औद्योगिक गलियारों जैसी परियोजनाओं पर काम हो रहा है। इन परियोजनाओं से बेहतर कनेक्टिविटी विकसित होने के साथ नए उद्योगों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश की प्रक्रिया में कागजी औपचारिकताएं पूरी करने में समय लगता है, लेकिन कई उद्योगों में काम शुरू हो चुका है।

"विधायक ने कहा कि इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से बातचीत हुई है। जल्द ही सड़क का नवीनीकरण कराया जाएगा, जिससे लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। उन्होंने मार्ग को सुगम और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाने का भरोसा दिया।"

रायबरेली में भागवत कथा हुई आयोजित

मां फूलमती मंदिर परिसर गुंजायमान

तमसा संकेत, एजेंसी





रायबरेली। रायबरेली में विकासखंड सरेनी के चिंता खेड़ा गांव स्थित मां फूलमती मंदिर में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और मां के जयकारों से भक्तिमय माहौल रहा। कार्यक्रम का आयोजन श्री रामाचार्य महाराज (भोला बाबा) के सानिध्य में हुआ। कथा के संयोजक बालकृष्ण तिवारी और नेहा तिवारी ने विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। सुबह 10:30 बजे आरती, पूजा-अर्चना और वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कथा के दौरान भक्ति, धर्म, संस्कार और सदाचार से जुड़े प्रसंग सुनाए गए। श्रद्धालुओं ने मां फूलमती के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की उन्नति की कामना की।

प्रेमिका से शादी करने की जिद पर अड़ा, पुलिस ने एक घंटे बाद नीचे उतारा

180 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के मल्लावां कस्बे में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक करीब 180 फीट ऊंचे बंद पड़े मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक टावर के ऊपर से कूदने की धमकी देने लगा। उसे इतनी ऊंचाई पर चढ़ा देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मल्लावां कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए बातचीत शुरू की। करीब एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम के बाद पुलिस युवक को समझाने में सफल रही। इसके बाद वह सुरक्षित नीचे उतर आया। पुलिस उसे अपने साथ कोतवाली ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मोहल्ला बंदीपुर निवासी अजय राठौर पुत्र रामकुमार राठौर शटरिंग का काम करता है। बताया जा रहा है कि अजय काफी समय से एक युवती से प्रेम करता था और उससे शादी करना चाहता था। आरोप है कि वह युवती पर शादी करने के लिए दबाव बना रहा था। युवती की ओर से शादी के लिए इनकार किए जाने के बाद वह नाराज हो गया। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह इसी मामले के बीच अजय मल्लावां कस्बे के सुभाष नगर स्थित सुभाष पार्क पहुंचा। यहां बंद पड़े डोकोमो मोबाइल टावर पर चढ़कर उसने ऊपर से कूदने की धमकी देनी शुरू कर दी। टावर की ऊंचाई करीब 180 फीट बताई गई है। इतनी ऊंचाई पर युवक को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए। लोगों को आशंका थी कि युवक कहीं कोई गलत कदम न उठा ले। हालांकि, युवती से शादी को लेकर विवाद होने की बात शुरुआती जानकारी के तौर पर सामने आई है। इस पूरे मामले में युवक का पक्ष और घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियां पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।



"पुलिस के मुताबिक, युवक से पूछताछ की जा रही है। घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि युवक टावर पर किस तरह चढ़ा और घटना के दौरान उसकी मंशा क्या थी।"

कोतवाल मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे

सूचना मिलने पर मल्लावां कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सबसे पहले युवक से बातचीत शुरू की और उसे नीचे उतरने के लिए समझाया। अधिकारियों ने काफी देर तक उससे संपर्क बनाए रखा, ताकि वह शांत होकर सुरक्षित नीचे आने के लिए तैयार हो जाए। पुलिस की कोशिश थी कि युवक को बिना किसी नुकसान के नीचे उतारा जाए। इसके लिए उससे लगातार बातचीत की गई और उसे समझाने का प्रयास किया गया। करीब एक घंटे तक चले घटनाक्रम के दौरान पुलिसकर्मी युवक को सुरक्षित नीचे आने के लिए राजी करने में जुटे रहे।

सुरक्षित नीचे उतारने के बाद कोतवाली ले गई पुलिस

पुलिस ने युवक को टावर से नीचे उतारने के बाद हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। इस दौरान मौके पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। युवक के नीचे उतरने के बाद घटनास्थल पर बनी तनावपूर्ण स्थिति सामान्य हुई। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक किन परिस्थितियों में टावर पर चढ़ा था और उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। युवती से शादी को लेकर विवाद की बात भी सामने आई है।

घटना : ननिहाल जा रहे 20 साल के युवक की मौत, ड्राइवर फरार

बदायूं में ईको कार ने बाइक सवार को रौंदा



ननिहाल जाते समय हुआ हादसा

हादसा उसावां थाना क्षेत्र के गौतरा गांव के पास हुआ। अलापुर थाना क्षेत्र के सखानू कस्बा निवासी शिव सिंह (20) बाइक से पिपला गांव स्थित अपनी ननिहाल जा रहा था। गौतरा गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही ईको कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में शिव सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। जिले में रविवार दोपहर तेज रफ्तार ईको कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब तीन बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ईको कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटनाग्रस्त बाइक व ईको कार को कब्जे में ले लिया। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब तीन बजे बाइक सवार



युवक अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ईको कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

हादसे के बाद चालक फरार, पुलिस ने वाहन कब्जे में लिए दुर्घटना के बाद ईको कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ईको कार को कब्जे में ले लिया है। साथ ही फरार चालक की पहचान करने और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है। दुर्घटना किस परिस्थिति में हुई और इसमें तेज रफ्तार की क्या भूमिका रही, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस के देर से पहुंचने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि हादसे के बाद घायल युवक को समय पर चिकित्सा सहायता मिलना जरूरी था। हालांकि, एंबुलेंस के पहुंचने में हुई देरी और उससे जुड़े घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया गया कि मृतक शिव सिंह सात भाइयों में चौथे नंबर पर था। उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे की खबर मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लिए यह घटना बड़ा सदमा बनकर सामने आई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ईको कार चालक की पहचान और हादसे के कारणों की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में 30 अक्टूबर से निकलेगी सवर्ण न्याय यात्रा

5 नवंबर तक पांचों तहसीलों और विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में पहुंचेगी यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। यूजीसी के संबंधित नियमों को वापस लेने सहित सवर्ण समाज की विभिन्न मांगों को लेकर 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मथुरा जनपद में सवर्ण न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ यमुना मैया की पूजा-अर्चना के साथ होगा। इसके बाद जनपद की पांचों तहसीलों और पांचों विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में पहुंचकर समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा। मथुरा के एक स्थानीय होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में यात्रा के आयोजकों ने इसकी रूपरेखा और प्रमुख मांगों की जानकारी दी। भारतीय क्षत्रिय सभा के संरक्षक डॉ. नवल सिंह, करणी सेना के प्रदेश सचिव कन्हैया ठाकुर और विष्णु सारस्वत सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि सवर्ण न्याय



यात्रा का उद्देश्य समाज की समस्याओं और मांगों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ सरकार के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना है। यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में लोगों से संवाद कर उन्हें अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों ने यूजीसी के संबंधित नियमों को वापस लेने, ईडब्ल्यूएस आरक्षण की पात्रता और प्रक्रिया को सरल बनाने तथा सवर्ण समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सवर्ण आयोग का गठन करने की मांग उठाई। इसके अलावा सभी वर्गों के बच्चों को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है। आयोजकों ने एससी-एसटी एक्ट में आवश्यक सुधार कर कानून के दुरुपयोग की आशंकाओं को रोकने तथा निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि यात्रा के माध्यम से समाज की इन मांगों को संगठित रूप से सरकार तक पहुंचाया जाएगा। 30 अक्टूबर से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलने वाली सवर्ण न्याय यात्रा के तहत मथुरा जनपद की पांचों तहसीलों और पांचों विधानसभा क्षेत्रों के गांवों तक पहुंचने की योजना बनाई गई है। आयोजकों ने युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों से यात्रा में भागीदारी करने की अपील की है।

सम्पादकीय

ट्रंप की मजबूरी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमाने फैसले लेने और उन पर टिके न रहने की आदत किस तरह कायम है, इसका नया उदाहरण है उनकी यह घोषणा कि अब वे रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत पांच देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ वाले कानून पर अमल नहीं करेंगे। निःसंदेह यह घोषणा भारत को राहत देने वाली है, लेकिन इसी के साथ वह ट्रंप के अस्थिर स्वभाव के साथ उनकी मजबूरी को भी रेखांकित करने वाली है।

उनका सौ प्रतिशत टैरिफ वाला कानून मनमाना ही नहीं, वैश्विक ऊर्जा हितों को नुकसान पहुंचाने वाला भी था। वे इस कानून को लागू करने से इसलिए पीछे हटने को बाध्य हुए कि अमेरिका ने खुद रूस से डीजल खरीदने का निर्णय ले लिया। इसके बाद यदि वे इस कानून पर अमल करते तो जगहंसाई के पात्र बनते और उनके दोहरे मानदंडों की पोल खुलती।

यही नहीं, यदि वे इस कानून को लागू कर देते तो भारत से व्यापार समझौते की संभावना न्यून कर लेते, क्योंकि भारत ने साफ कर दिया था कि वह अमेरिकी मनमानी सहन करने को तैयार नहीं। ट्रंप के ऐसे फैसलों की एक लंबी सूची है, जिनसे वे पीछे हटने के लिए मजबूर हुए। अपने ऐसे फैसलों से वे अमेरिका के साथ अपनी भी विश्वसनीयता खोते जा रहे हैं।

उनकी बातों का कोई भरोसा नहीं रह गया है। वे ऐसे फैसलों के लिए भी कुख्यात हो रहे हैं, जिनके तात्कालिक असर से या तो उनके स्वजन या फिर उनके करीबियों के आर्थिक हित पूरे होते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनके कई फैसले दुनिया भर के शेयर बाजारों पर असर डालते हैं। इसका लाभ ट्रंप स्वयं अथवा उनके करीबी उठाते हैं।

ट्रंप मूलतः एक कारोबारी हैं और यह केवल विश्व समुदाय की धारणा नहीं कि वे निजी वित्तीय हितों के लिए अपने पद का अनुचित इस्तेमाल कर रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी नागरिक भी यह मान रहे हैं कि ट्रंप अमेरिका से ज्यादा खुद के वित्तीय हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इनमें उनकी पार्टी रिपब्लिकन के भी समर्थक हैं।

तथ्य यह भी है कि उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने पर अपने परिवार के कारोबारी सौदों पर लगी पाबंदियां हटाईं और बेटे के स्वामित्व वाली कंपनी के जरिये क्रिप्टो कारोबार शुरू किया। इस क्रिप्टो कारोबार के साथ उनके रियल एस्टेट व्यवसाय में दूसरे देशों के बड़े उद्यमी भागीदार बने हैं। ट्रंप परिवार या उनके करीबियों की कंपनियों के कुछ सौदों में तो दूसरे देशों की सरकारें भी इस लोभ में भागीदार बनीं कि ट्रंप उनके प्रति उदार रहेंगे। इसका एक उदाहरण पाकिस्तान है, जिसने आनन-फानन क्रिप्टो कारोबार वाली संस्था खड़ी कर ट्रंप परिवार की कंपनी से हाथ मिलाया। बदले में ट्रंप पाकिस्तान की तारीफ करने में जुट गए।

सामाजिक सुरक्षा का कवच और समावेशी विकास का उजाला

> 66
> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है।



किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालांकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहनीयता भी सुनिश्चित होगी।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है। श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं।

ललित गर्ग

नवरात्र की इस...

नागेन्द्र सिंह

माँ की साधना का पूर्णत्व और चेतना का जागरण: महानवमी का अमर पर्व

शारदीय नवरात्र का यह अंतिम और परम पावन चरण—महानवमी—भारतीय सनातन चेतना का वह सर्वोच्च और विराट शिखर है, जहां आकर नौ दिनों की कठोर तपस्या, व्रत, नियम, संयम और अनवरत आराधना अपनी पूर्णता को प्राप्त करती है। आज जब घर-घर में हवन की पवित्र अग्नि प्रज्वलित हो रही है, मंत्रोच्चार गूंज रहे हैं और कन्या पूजन के साथ माँ के चरणों में श्रद्धा से शीश झुकाया जा रहा है, तब संपूर्ण वातावरण एक अलौकिक, दिव्य और सकारात्मक ऊर्जा से पूरी तरह सराबोर हो जाता है। यह वह महान और निर्णायक क्षण होता है जब मनुष्य अपनी तमाम सीमाओं, कमजोरियों और विकारों को पीछे छोड़कर माँ की असीम अनुकंपा से एक नई, निर्मल और सात्विक दृष्टि प्राप्त करता है। महानवमी का यह पर्व केवल पंचांग की किसी तिथि का समापन मात्र नहीं है, बल्कि यह एक साधक के भीतर छिपी अनंत और अदम्य शक्तियों के प्रकटीकरण का अमर उत्सव है।

माता रानी का यह पावन स्वरूप और महानवमी का यह विशेष दिन हमें सबसे पहले यह शाश्वत सत्य सिखाता है कि जीवन में बिना साधना, अनुशासन और संयम के कुछ भी श्रेष्ठ प्राप्त नहीं किया जा सकता। नौ दिनों तक अन्न-जल के नियमों का पालन करते हुए या अपने मन और इंद्रियों के विकारों पर कठोर नियंत्रण रखकर जब एक भक्त पूरी निष्ठा से माता की आराधना करता है, तो वह असल में अपने भीतर के अज्ञान, अंधकार और भटकाव को सीधी चुनौती दे रहा होता है। आज के इस आधुनिक, तेज रफ्तार और भौतिकतावादी दौर में, जहां मनुष्य की इच्छाएं असीम और भटकाव बहुत ज्यादा हो गए हैं, यह पर्व हमें एक पल के लिए रुककर अपने भीतर झांकने का दुर्लभ अवसर देता है। माँ की आराधना का मूल मर्म यही है कि हम अपने भीतर बैठे अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, संकीर्णता और तमाम दुर्बलताओं का दहन पूरी तरह से हवन की इस पावन अग्नि में कर दें। जब तक व्यक्ति अपने भीतर के इन विकारों और आंतरिक शत्रुओं को नहीं जलाता, तब तक उसके जीवन में उच्च विचारों, नैतिकता और पवित्रता का वास्तविक उदय नहीं हो सकता।

नवरात्र की इस अंतिम बेला में भगवती के नौवें स्वरूप माँ सिद्धिदात्री की महिमा का स्मरण करना हमारे जीवन को पूर्णता प्रदान करता है। माँ सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों, योग्यताओं और आंतरिक ऊर्जा को देने वाली हैं। जब एक साधक नौ दिनों तक अपने मन को एकाग्र कर माँ के चरणों में समर्पित कर देता है, तब वह भौतिक सीमाओं से ऊपर उठकर उस दिव्य चेतना से जुड़ जाता है जो ब्रह्मांड का संचालन करती है। यह इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य का जीवन केवल खाने, कमाने और उपभोग करने के लिए नहीं है, बल्कि यह उच्च आदर्शों, लोककल्याण और आत्मिक उन्नति के लिए मिला हुआ एक दुर्लभ अवसर है। जब तक जीवन में साधना का यह अनुशासन नहीं होगा, तब तक हम अपनी वास्तविक योग्यताओं को नहीं पहचान सकेंगे। इस पावन पर्व का दूसरा और सबसे व्यापक प्रभाव मातृ शक्ति के प्रति हमारी अटूट निष्ठा और समाज के प्रति हमारे उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ है। महानवमी के दिन जब हम नौ कन्याओं के चरण धोते हैं, उन्हें भोजन कराते हैं और उन्हें साक्षात माँ दुर्गा का रूप मानकर पूजते हैं, तो यह केवल एक बाहरी कर्मकांड या औपचारिकता नहीं होती, बल्कि यह इस समाज को दिया जाने वाला एक बहुत बड़ा वैचारिक और सांस्कृतिक संदेश होता है। हमारी महान संस्कृति ने हमेशा से स्त्री को सृजन, शक्ति, सहिष्णुता और समाज की धुरी माना है। यह पर्व हमें भीतर से झकझोर कर यह अहसास कराता है कि हम अपने आस-पास की हर बालिका और महिला के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा और उत्थान के प्रति कितने गंभीर और सजग हैं। यदि हम इस पवित्र दिन कन्याओं को देवी मानकर पूजते हैं, तो हमारा यह सबसे बड़ा नैतिक कर्तव्य बन जाता है कि हम वर्ष के बाकी दिनों में भी उनके अधिकारों, उनकी गरिमा और उनकी सुरक्षा की रक्षा पूरी दृढ़ता और ईमानदारी से करें। यही माता रानी की सच्ची पूजा और उनकी वास्तविक आराधना है।वर्तमान समय में जब समाज और परिवार के बीच संवाद की डोर कमजोर पड़ रही है, और युवा पीढ़ी उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ में अपनी दिशा भटक रही है, तब यह महानवमी का पर्व हमारे भीतर एक नई उमंग, उल्लास और नवचेतना का संचार करता है। यह हमें यह सिखाता है कि जीवन चाहे कितना भी कठिन, संघर्षपूर्ण और चुनौतियों से भरा क्यों न हो, यदि माँ का आशीर्वाद, हमारी अपनी संस्कृति की जड़ें और हमारे भीतर का आत्मबल हमारे साथ है, तो हम बड़े से बड़े अंधकार और संकट को प्रकाश में बदल सकते हैं। यह दिन हमें निराशा और हताशा के गर्त से बाहर निकालकर आशा, पुरुषार्थ और कर्तव्य पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की अदम्य प्रेरणा देता है।



सबसे गम्भीर...

डॉ0 मत्येन्द्र प्रभाकर

एआई की शक्ति जोखिम और भारत

बनावटी बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशल इण्टेलिजेंस (एआई) अब भविष्य की तकनीक नहीं है। वह आज की वास्तविकता है। वह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं और मीडिया में तेजी से घुस रहा है मगर जिस तेजी से उसकी शक्ति बढ़ रही है, उसी तेजी से उसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। बिल गेट्स की चेतावनी और ऑस्ट्रेलिया की घटना ने इस सच को दुनिया के सामने रख दिया है।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में कहा कि एआई इतना शक्तिशाली है कि उसके गलत इस्तेमाल से एक अरब लोगों की मौत हो सकती है। यह बयान आतंक फैलाने के लिए नहीं कहा गया। यह एक सम्भावित जोखिम की चेतावनी है।

गेट्स का तर्क स्पष्ट है। बुरे इरादे रखने वाले लोगों और शक्तिशाली एआई उपकरणों का मेल अत्यन्त खतरनाक हो सकता है। एआई से साइबर हमले हो सकते हैं। जैविक या रासायनिक खतरों की जानकारी दी जा सकती है। धोखाधड़ी, दुष्प्रचार और सामाजिक अराजकता को बढ़ाया जा सकता है।

गेट्स ने यह भी कहा कि एआई कम्पनियों का अपने लिए नियम बनाना पर्याप्त नहीं है। उनके अनुसार सरकारों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और राजनीतिक नेतृत्व को भी इसमें सक्रिय होना चाहिए। एआई के लिए सुरक्षा मानक, निगरानी और स्पष्ट कानूनी सीमाएँ जरूरी हैं।

गेट्स की चेतावनी के कुछ दिन बाद ऑस्ट्रेलिया से एक चौंकाने वाली खबर आयी। ओपनएआई के एक एआई एजेण्ट ने ऑस्ट्रेलिया के मेडिकेयर से जुड़े स्वास्थ्य-आँकड़ों के पोर्टल में अनधिकृत पहुँच बना ली। एजेण्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य-खर्च और दवा सब्सिडी की जानकारी खोज रहा था।

अधिकारियों ने कहा कि मरीजों के निजी रिकॉर्ड, बैंकिंग विवरण या व्यक्तिगत दावों तक पहुँच का कोई प्रमाण नहीं मिला। फिर भी यह घटना छोटी नहीं है।

सबसे गम्भीर सवाल यह है कि एआई एजेण्ट को रोकने वाले संकेत मिलने के बाद भी वह वैकल्पिक रास्ते खोजता रहा। इससे साबित होता है कि स्वायत्त एआई निर्देशों की सीमा पार कर सकता है। वह अप्रत्याशित ढंग से काम कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया अब जाँच कर रहा है कि क्या इस घटना में कानून का उल्लङ्घन हुआ। यह भी देखा जाएगा कि कम्पनी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का आधार बनता है या नहीं। साथ ही यह भी जाँचा जाएगा कि सुरक्षा एजेंसियों को समय रहते पता क्यों नहीं चला। ओपनएआई ने सरकार को सूचना देने में भी देर की। यह देरी जवाबदेही का बड़ा सवाल खड़ी करती है।

क्या एआई दुनिया खत्म कर देगा? इसका सीधा उत्तर है—अभी नहीं। एआई स्वयं न तो अच्छा है और न बुरा। वह एक शक्तिशाली उपकरण है। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे कौन, किस उद्देश्य से और कितनी निगरानी के साथ इस्तेमाल कर रहा है।

विचारों को आकार देता लेखक गाँव

विचार सागर में उठती लहरों की तरह हैं। ये जितनी गति से आते हैं उतनी ही गति से चले भी जाते हैं। ये विचार ही सृजन अथवा रचनात्मकता के मूल हैं। जैसे ही ये विचार आते हैं यदि उस समय उन्हें समुचित वातावरण मिल जाए तो वे सांचे में ढले हुए बर्तन के आकार की तरह किसी उत्कृष्ट रचना का रूप ले लेते हैं। ध्यान रहे विचारवान व्यक्ति ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के कल्याण हेतु चिंता और चिंतन करता है। सकारात्मक और उत्कृष्ट विचारों से संपन्न कोई रचना, पाठ, कविता अथवा कहानी किसी व्यक्ति का जीवन बदलने की क्षमता रखते हैं। आज जब हम भारतीय ज्ञान परंपरा के आदि ग्रंथ वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत, रामचरित-मानस आदि की चर्चा करते हैं तो उस चर्चा का मूल इन रचनाओं में विद्यमान विचार ही हैं। लेखक सृजनशील होता है। वह निर्माण करता है। वह अतीत, वर्तमान और भविष्य की कड़ियों को भी जोड़ता है इसलिए उसे स्वयंभू की उपाधि देते हुए कविर्मनीषी परिभू स्वयंभू के रूप में व्याख्यायित किया गया है। लेखक अलमस्त होता है। अपनी मस्ती में, विचारों के आरोह-अवरोह में वह अनेक बार लंबा समय बिताता है। जिस प्रकार मथने की क्रिया से नवनीत प्राप्त होता है, उसी प्रकार लेखक अथवा रचनाकार के मन- मस्तिष्क में भी विचारों की मथनी निरंतर चलती रहती है। हम सब भली-भांति परिचित हैं कि भारतवर्ष के प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई एक राजनेता तो थे ही, वे कवि एवं सृजनशील व्यक्तित्व के धनी भी थे। किसी भी रचना अथवा रचनाकार के प्रति उनके मन में सदैव सम्मान रहता था। वे रचनाकारों की संगत में खूब आनंद अनुभव करते थे। यही कारण है कि वे लेखक अथवा रचनाकारों के व्यक्तिगत जीवन और उनकी स्थिति से भी परिचित थे। रचनाकार अपने रचनात्मक क्रम में जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा लगता है। इसलिए अनेक बार वह अकेला पड़ जाता है, वैवाहिक जीवन में भी नहीं जा पाता। पारिवारिक जीवन से भी थोड़ा अलग रह जाता है।

- डॉ.वेदप्रकाश

जरा हटके

विचारों को आकार ...

डॉ .वेदप्रकाश

विचारों को आकार देता लेखक गाँव

विचार सागर में उठती लहरों की तरह हैं। ये जितनी गति से आते हैं उतनी ही गति से चले भी जाते हैं। ये विचार ही सृजन अथवा रचनात्मकता के मूल हैं। जैसे ही ये विचार आते हैं यदि उस समय उन्हें समुचित वातावरण मिल जाए तो वे सांचे में ढले हुए बर्तन के आकार की तरह किसी उत्कृष्ट रचना का रूप ले लेते हैं। ध्यान रहे विचारवान व्यक्ति ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के कल्याण हेतु चिंता और चिंतन करता है। सकारात्मक और उत्कृष्ट विचारों से संपन्न कोई रचना, पाठ, कविता अथवा कहानी किसी व्यक्ति का जीवन बदलने की क्षमता रखते हैं।

आज जब हम भारतीय ज्ञान परंपरा के आदि ग्रंथ वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण, महाभारत, रामचरितमानस आदि की चर्चा करते हैं तो उस चर्चा का मूल इन रचनाओं में विद्यमान विचार ही हैं। लेखक सृजनशील होता है। वह निर्माण करता है। वह अतीत, वर्तमान और भविष्य की कड़ियों को भी जोड़ता है इसलिए उसे स्वयंभू की उपाधि देते हुए कविर्मनीषी परिभू स्वयंभू के रूप में व्याख्यायित किया गया है।

लेखक अलमस्त होता है। अपनी मस्ती में, विचारों के आरोह-अवरोह में वह अनेक बार लंबा समय बिताता है। जिस प्रकार मथने की क्रिया से नवनीत प्राप्त होता है, उसी प्रकार लेखक अथवा रचनाकार के मन-मस्तिष्क में भी विचारों की मथनी निरंतर चलती रहती है। हम सब भली-भांति परिचित हैं कि भारतवर्ष के प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई एक राजनेता तो थे ही, वे कवि एवं सृजनशील व्यक्तित्व के धनी भी थे। किसी भी रचना अथवा रचनाकार के प्रति उनके मन में सदैव सम्मान रहता था। वे रचनाकारों की संगत में खूब आनंद अनुभव करते थे। यही कारण है कि वे लेखक अथवा रचनाकारों के व्यक्तिगत जीवन और उनकी स्थिति से भी परिचित थे। रचनाकार अपने रचनात्मक क्रम में जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा लगता है। इसलिए अनेक बार वह अकेला पड़ जाता है, वैवाहिक जीवन में भी नहीं जा पाता। पारिवारिक जीवन से भी थोड़ा अलग रह जाता है। ऐसे में वृद्धावस्था में उसके सामने अनेक चुनौतियां अथवा संकट खड़े होते हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने एक बार भारतवर्ष के पूर्व शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी की पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर मंच से यह चिंता व्यक्त की थी कि क्या इस देश में कोई लेखकों की भी चिंता करेगा। यह चिंता मूलतः एक विचार बन गई और उसी समय से डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी ने इस विचार को अंगीकृत कर लिया। वे इसे साकार करने हेतु लगातार प्रयासशील बने रहे। उन्होंने लेखक गांव बनाने का संकल्प लिया। जब देश-दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी, तब वे एक मौन साधक व तपस्वी की तरह लेखक गांव के संकल्प को साकार करने के लिए दिन-रात कठिन परिश्रम कर रहे थे। स्वयं लंबे समय तक कोरोना से पीड़ित होने के बावजूद भी वे लेखक गांव के संकल्प को सिद्धि की ओर ले जाने के लिए प्रयास करते रहे। लेखक कुटीर, वहां बने लेखकों के आवास, किस रूप में आकर लें। पुस्तकालय कहां बने। अटल जी का विचार है तो वह सुंदर रूप में किस प्रकार साकार हो, इस चिंता में कई वर्ष परिश्रम करते हुए अंततः वर्ष 2024 में लेखक गांव ने आकार लिया। यानी एक विचार ने अनेक विचारों के लिए एक स्थान, एक ठाँव यानी एक गांव बना दिया। वर्ष 2024 में लेखक गांव में साहित्य, कला एवं संस्कृति का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव हुआ। जिसमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सहित देश- दुनिया की अनेक गणमान्य विभूतियां सम्मिलित हुई। तदुपरांत वर्ष 2025 में भी हुए अंतरराष्ट्रीय महोत्सव ने देश-दुनिया में लेखक गांव को न केवल चर्चित कर दिया अपितु लोकप्रियता के शिखर भी छू लिए। आज साहित्य, कला और संस्कृति की दुनिया में सभी लोग लेखक गांव को जानते हैं। लेखक गांव के प्रति सम्मान रखते हैं और आज यह लेखक गांव रचनात्मकता का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। देश- दुनिया की विभिन्न संस्थाएं यहां आए दिन साहित्य, कला और संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम करने के लिए जुट रही हैं। लेखक गांव का आंगन और वातावरण रचनाकारों के विचार को आकर दे रहा है।

आगामी 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 को लेखक गांव में इस वर्ष का साहित्य, कला और संस्कृति का तृतीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव फिर से आयोजित हो रहा है। इस वर्ष भी यहां देश दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित विद्वान सहभागिता करेंगे। नालंदा पुस्तकालय विद्वानों के आकर्षण का विशेष केंद्र बन रहा है तो संजीवनी वाटिका सहज ही अपनी और मोहित कर लेती है। लेखक गांव में बनी प्रकृति की पाठशाला, प्रकृति पर्यावरण जैसे गंभीर चिंतन की ओर ध्यान खींचती है तो प्रकृति की गोद में बैठकर चिंतन के महत्व को भी प्रतिपादित करती है। तक्षशिला का नया भवन इस वर्ष लोकार्पित होना है। वह भी भारतवर्ष की विरासत का जीवंत रूप बना है। नवग्रह वाटिका के साथ-साथ लेखक गांव के एक द्वार पर भगवान धन्वंतरि आरोग्य हेतु सबको आशीर्वाद की मुद्रा में स्थापित हैं तो दूसरे द्वार पर लगभग 400 वर्ष पुराना भगवान नरसिंह देवता का मंदिर देवभूमि की महत्ता और अध्यात्म के विचार से सहज ही जोड़ देता है। लेखक गांव के प्रांगण में बीचोंबीच स्थापित स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा वहां पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह संदेश देती है कि यदि विचार हो तो वह साकार भी होता है। उसी के साथ में सैकड़ों फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज भारत भाव के प्रति समर्पण का संदेश वाहक है। लेखक गांव के सामने से ही शिवालिक पर्वतमाला आकार लेती हैं। वहां की हरियाली, शांति और पहाड़ों पर तैरते बादल मेघदूत की संकल्पना को साकार करते हैं। लेखक गांव के प्रांगण में कहीं कोई चित्रकार कूंची से रंग भरता दिखाई देता है तो कहीं किसी पेड़ के नीचे विद्वानों की चौपाल साहित्य, कला और संस्कृति के विषयों पर गंभीर चर्चा और चिंतन करती दिखाई देती है। लेखक गांव के संस्थापक- संरक्षक डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक इस लेखक गांव की देखभाल और यहां पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति का स्वागत इस भाव से करते हैं कि आइए अपनी सृजनात्मकता को आकार दीजिए। आपके मन में किसी विषय को लेकर जो उधेड़बुन चल रही है, इसका एक सुंदर सा पाठ यहां आकर तैयार कीजिए। यह लेखक गांव आपका है, आपके स्वागत के लिए यह आपका इंतजार कर रहा है।

दशहरा में आगरा से मसूरी जा रहे थे, इनमें एक इरा अफसर का इकलौता बेटा

डिवाइडर से टकराई थार, 3 दोस्तों की मौत

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में रविवार तड़के 4 बजे एक थार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। 2 घायल हैं। सभी पांच दोस्त दशहरे पर आगरा से मसूरी घूमने के लिए जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि थार का अगला हिस्सा बुरी तरह से पिचक गया। हादसे में साहिल तिवारी (25), राहुल सिंह (25) और सक्षम गौतम (22) की मौत हो गई। सचिन और हेमंत वर्मा गंभीर घायल हैं। दोनों चचेरे भाई हैं। सहारनपुर जिला अस्पताल में भर्ती हैं। हादसा नागल थाना क्षेत्र में बेलड़ा गोल चक्कर के पास हुआ। राहुल और सक्षम के



पिता पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए। बेटे की लाश देखकर दोनों फूट-फूटकर रोए। साहिल घर का इकलौता लड़का था। पिता बीएसएफ में हैं और बेंगलुरू में उनकी पोस्टिंग हैं। साहिल अपनी मां और बहन के साथ दिल्ली में रहता था। उसकी लाश देखकर दोनों बेसुध हो गईं। थार में सवार दो युवक पुल के नीचे गिरे हुए थे। फौरन पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजे तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। कुछ लोग पुल से नीचे उतरे और दोनों घायलों को उठाकर ऊपर लाए। एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। सुबह करीब 5 बजे हम लोगों को हादसे की जानकारी मिली।

घायल दोस्त बोला- आंख खुली तो खुद को सड़क पर पाया

हादसे में घायल सचिन ने बताया- राहुल एक प्राइवेट हॉस्पिटल में कम्पाउंडर था। सक्षम सनफार्मा क्लासिक कंपनी का एरिया मैनेजर था। मैं नोएडा में नौकरी करता हूं। दशहरे की छुट्टी पर घर आया था। हम पांचों दोस्त शनिवार रात 9 बजे आगरा से निकले थे। कार मेरा चचेरा भाई हेमंत चला रहा था। मैं उसके बगल में बैठा था। हादसे में मरने वाले तीनों दोस्त पीछे की सीट पर बैठे थे। हादसे के समय मैं सो रहा था। पता नहीं कार अचानक कैसे बेकाबू हुई और डिवाइडर से टकरा गई। जब मेरी आंख खुली तो खुद को सड़क पर पड़ा पाया। बाद में पता चला कि जीप का एक्सीडेंट हो गया। साहिल शांतिनगर, सक्षम गौतम कमला नगर और राहुल कुमार टेढ़ी बगिया का रहने वाला था।

राहुल के पिता रोते हुए बोले- मना किया था, फिर भी घूमने चला गया

राहुल के पिता गोपाल सिंह ने बताया- बेटा शनिवार दोपहर करीब 3 बजे गाड़ी लेकर घर से निकला था। रात 8 बजे फोन किया तो राहुल ने कहा कि वह अभी घर आ रहा है। थोड़ी देर बाद राहुल ने फोन कर बताया कि वह घूमने जा रहा है। मैंने घर आने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना।

सक्षम के पिता बोले- हमें लगा चोट लगी होगी

सक्षम के पिता राजेंद्र गौतम ने बताया कि सक्षम 2 बेटों में बड़ा था। शनिवार को ड्यूटी से घर लौटे तो उसने बताया कि उसे तीन दिन की छुट्टी मिली है और वह मसूरी जा रहा है। शाम करीब 7 बजे सक्षम अपने साथियों के साथ निकल गया। सुबह पुलिस ने फोन कर बताया कि बेटा अस्पताल में भर्ती है। उन्हें लगा था कि बेटे को चोट लगी होगी और इलाज के बाद वह ठीक हो जाएगा।







प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- रविवार तड़के 4 बजे थार गाड़ी स्पीड में बेलड़ा गोल चक्कर के पास से गुजर रही थी। अचानक जोर से धमाके की आवाज सुनाई पड़ी। जाकर देखा तो थार गाड़ी पलटी हुई थी। शीशे टूटकर सड़क पर बिखरे हुए थे। गाड़ी के अगले हिस्से को देखकर लग रहा था कि कार पहले डिवाइडर से टकराई, फिर पलट गई।

युवक का अपहरण कर आंख फोड़ी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में कार सवार बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर आंख फोड़ दिया। 14 अक्टूबर की रात मोबाइल ठीक कराकर गांव लौट रहा था। रास्ते में कुछ बदमाशों ने कार से अपहरण कर लिया। जिसके बाद आरोपियों ने जंगल के किनारे ले गए। जिसके बाद बदमाशों ने बेरहमी से मारपीट की गई। इसके बाद उसकी एक आंख फोड़ दी, सिर फोड़ दिया और पैर तोड़ डाला। आरोपी ने अधमरी हालत में उसे जंगल में फेंककर फरार हो गए। राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मामला अगौता थाना क्षेत्र का है। अख्तियारपुर में सागर राठी अपने परिवार के साथ रहता है। वह 14 अक्टूबर की रात 9 बजे बुलंदशहर से अपना मोबाइल ठीक कराकर गांव वापस लौट रहा था। जैसे ही वह मालागढ़ के पास पहुंचा, तभी कार सवार गांव के ही कुछ बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया।

फास्ट न्यूज

सगाई से पहले युवती ने सुसाइड किया

झांसी। झांसी से सटे मध्य प्रदेश के निवाड़ी में सगाई से पहले 12 अक्टूबर को युवती ने जहर खा लिया। उसकी फुफेरी बहन के देवर से शादी तय हुई थी। नवमी पर सगाई का प्रोग्राम था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे झांसी मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जहां इलाज के दौरान युवती ने 17 अक्टूबर को दम तोड़ दिया। लाश देखकर मंगेतर फूट-फूटकर रोना लगा। कहा- जिंदगी के लिए कई सपने संजोए थे, सब खत्म हो गए।

टीचर ने 3 साल के बच्चे को पीटा, नाखून गड़ाए

गोरखपुर। गोरखपुर के एक प्ले स्कूल में 3 साल के बच्चे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि 13 अक्टूबर को स्कूल की टीचर ने बच्चे को थप्पड़ मारा और उसके सिर को नाखूनों से नोचा। परिजनों के मुताबिक, जुलाई में बच्चे का स्कूल में एडमिशन कराया था। इसके बाद से ही बच्चे को परेशान किया जा रहा था। अब बच्चा स्कूल जाने की बात सुनते ही रोने लगता है। उसके सिर पर नाखूनों से नोचने के निशान भी हैं। शनिवार को बच्चे के पिता ने टीचर के खिलाफ थाने में शिकायत दी। परिजनों ने स्कूल का CCTV फुटेज भी देखा है।

सुरक्षा, सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि से आलोकित हो रहा है नारीशक्ति का जीवनः मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर की मां महागौरी की पूजा

- मुख्यमंत्री ने सरकार के प्रयास से नारीशक्ति के जीवन में आए बदलाव की दी जानकारी
- सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय ₹3,000 से बढ़ाकर ₹12,000 प्रतिमाह कियाः मुख्यमंत्री
- दुग्ध उत्पादक कंपनियों से जुड़कर 31 जनपदों की 4 लाख से अधिक महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रदान कर रहीं मजबूतीः मुख्यमंत्री
- स्वयं सहायता समूहों से आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिख रहीं 1.20 करोड़ से अधिक महिलाएंः मुख्यमंत्री

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मां महागौरी के स्वरूप की पूजा की। उन्होंने मां महागौरी को शांति, पवित्रता और करुणा की प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि मां महागौरी की आराधना हमें स्मरण कराती है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब हर मां स्वस्थ और सुरक्षित हो, हर बेटी को पोषण एवं बेहतर भविष्य मिले तथा प्रत्येक नारी सम्मान के साथ आत्मनिर्भर होकर जीवन यापन कर सके। अब सुरक्षा, सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि से नारीशक्ति का जीवन आलोकित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने नारीशक्ति को प्रदेश की प्रगति का सक्रिय भागीदार बनाते हुए सुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के अवसरों का विस्तार किया है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले सरकार की नाकामी पर भी प्रहार किया। कहा कि उस समय जहां प्रदेश में बच्चों के पोषण से जुड़ी व्यवस्था माफिया के शिकंजे में दम तोड़ रही थी, वहीं प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद हमने टेक होम राशन के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपकर व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की और नारीशक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त किया। इस पहल ने प्रदेश में पोषण सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को अधिक प्रभावी बनाया।

योगी सरकार पांच जिलों में लगा रही आकाशीय विद्युत चेतावनी सेंसर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि को कम करने के लिए तकनीक आधारित व्यवस्था मजबूत की जा रही है।

इसी क्रम में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे के सहयोग से प्रदेश के 5 जिलों में आकाशीय बिजली का पता लगाने वाले सेंसर स्थापित किए जा रहे हैं। एटा, मेरठ, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी और सोनभद्र में लग रहे ये सेंसर बिजली गिरने की गतिविधियों का तेजी से पता लगाने और समय रहते चेतावनी जारी करने में मदद करेंगे। इससे लोगों को सतर्क करने और संभावित हादसों से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने का समय मिल सकेगा।

राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक इस पहल का प्रमुख उद्देश्य आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि को कम करना और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को अधिक प्रभावी बनाना है।

योगी सरकार ने जेलों को बनाया अभेद्य, एआई आधारित सीसीटीवी और इलेक्ट्रिक फेंसिंग से मजबूत हुई घेराबंदी

जेलों में सुरक्षा हुई हाईटेक, सीसीटीवी कैमरे 7 हजार के पार

- समयपूर्व रिहाई में पारदर्शिता, ई-प्रिसंस मॉड्यूल लागू करने वाला यूपी बना देश का पहला राज्य
- 74 कारागारों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित, सभी जेलों में प्रशासनिक और तकनीकी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाने पर जोर

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश की जेलों को अधिक सुरक्षित, आधुनिक और तकनीक से लैस करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसके तहत कारागारों में बंदियों की निगरानी मजबूत करने से लेकर परिधीय सुरक्षा,



प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता और बंदियों के शैक्षिक विकास समेत कई स्तरों पर बदलाव किए जा रहे हैं। ऐसे में प्रदेश की जेलों में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाकर 7,000 से अधिक कर दी गयी है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल से कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। डीजी, कारागार एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने बताया कि योगी सरकार जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ाया जा रहा है, ताकि बंदियों की निगरानी, न्यायालयों में पेशी और समयपूर्व रिहाई से जुड़े कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश की कारागारों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों का दायरा लगातार बढ़ाया गया है। जून 2025 में प्रदेश की जेलों में करीब 4,900 सीसीटीवी कैमरे थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 7,000 से अधिक हो गई है। इससे जेलों के भीतर निगरानी व्यवस्था को पहले के मुकाबले अधिक व्यापक बनाया गया है। इन सीसीटीवी कैमरों के जरिये बैरकों में बंदियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखीजा रही है।

राजकीय आईटीआई में सीधे प्रवेश का मौका

19 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक करें आवेदन

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए राहत की खबर है। प्रवेश सत्र 2026 के पंचम चरण के तहत लखनऊ के राजकीय आईटीआई में विभिन्न ट्रेडों की रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश का अवसर दिया जा रहा है। इसके लिए वॉक-इन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है।

इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी 19 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे तक जनपद के किसी भी राजकीय आईटीआई में पहुंचकर रिक्त सीटों पर दाखिला ले सकते हैं। यह अवसर उन अभ्यर्थियों के लिए भी है, जो ऑनलाइन आवेदन करने के बावजूद अब तक किसी चरण में प्रवेश नहीं पा सके हैं। राजकीय आईटीआई के नोडल प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि प्रवेश सत्र 2026 के पंचम चरण में विभिन्न व्यवसायों (ट्रेडों) में रिक्त रह गई सीटों को भरने के लिए वॉक-इन प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा पहले चयनित हो चुके ऐसे अभ्यर्थी भी पात्र होंगे, जो किसी कारणवश निर्धारित समय में प्रवेश नहीं ले पाए थे।

प्लेसमेंट अधिकारी एम. ए. खां ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी जनपद लखनऊ स्थित किसी भी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को रिक्त सीटों और संबंधित ट्रेड में प्रवेश की उपलब्धता के अनुसार प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पीईटी परीक्षा के लिए केंद्रों की संख्या घटी

बरेली। बरेली में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के लिए इस बार परीक्षा केंद्रों में बदलाव देखने को मिलेगा। पिछले साल 45 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी, लेकिन इस बार इनकी संख्या घटाकर 23 कर दी गई है। इनमें कई स्कूलों को पहली बार परीक्षा केंद्र बनाया गया है। सीबीएसई के कुछ स्कूलों को भी केंद्रों की सूची में शामिल किया गया है।

जरूरतमंदों को कराया भोजन, कन्याओं को स्टील की थाली, फल और दक्षिणा भेंट कर दिया सेवा

दुर्गा अष्टमी पर बृज की रसोई ने किया 201 कन्याओं का पूजन

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर रविवार, 18 अक्टूबर को राजधानी के आशियाना क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सेवा भावना का संगम देखने को मिला। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई की ओर से श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में कन्या पूजन और जरूरतमंदों को भोजन वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा नीम करौली जी की प्रेरणा और मां जगत जननी के आशीर्वाद से आयोजित इस कार्यक्रम में 201 कन्याओं का विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद कन्याओं को भोजन कराकर प्रसाद, स्टील की भोजन थाली और दक्षिणा भेंट की गई। वहीं, विभिन्न

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने कहा कि नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं है, बल्कि यह सेवा, करुणा और नारी शक्ति के सम्मान की प्रेरणा भी देता है। मां भगवती की सच्ची आराधना तभी सार्थक है, जब हम जरूरतमंदों के जीवन में सहारा, सम्मान और खुशियां लाने का प्रयास करें। बृज की रसोई का संकल्प है कि कोई भूखा न सोए और बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक सेवा पहुंचे। उन्होंने समाजसेवियों और श्रद्धालुओं से इस मुहिम से जुड़कर मानवता की सेवा में योगदान देने की अपील की।



चिन्हित स्थानों पर जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित किया गया।



कन्या पूजन मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा का प्रतीकः शक्ति सिंह

कार्यक्रम के दौरान जालिम सिंह ने कहा कि कन्या पूजन के अवसर पर बच्चियों को भोजन कराने के साथ स्टील की थाली, फल और दक्षिणा अर्पित की गई। उनका उद्देश्य बच्चियों के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना और धार्मिक आयोजन को सेवा से जोड़ना है।

जरूरतमंदों को भोजन कराकर दिया सेवा का संदेश

कन्या पूजन के साथ संस्था की ओर से जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन वितरण भी किया गया। विभिन्न चिन्हित स्थानों पर लोगों को चना-आलू, चावल और हलुआ वितरित किया गया। संस्था के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना और समाज में सहयोग एवं संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक अवसरों पर सेवा कार्य करने से समाज के जरूरतमंद लोगों को सहायता मिलती है। ऐसे कार्यक्रम लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित करते हैं। आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

घटना : दुर्गा पंडाल के बाहर 3 की मौत, बलरामपुर में 15 किमी पीछा करके पकड़ा

नशे में कार चला रहे युवक ने 7 को रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर। बलरामपुर में दुर्गा पंडाल के बाहर खड़े 7 लोगों को कार ने रौंद दिया। इनमें 3 की मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर घायल हैं। हादसा शनिवार रात 11 बजे उस वक्त हुआ, जब कुछ लोग पंडाल के बगल में लगे टेंट में प्रोजेक्टर के जरिए प्रोग्राम देख रहे थे। तभी अचानक तेज रफ्तार फोर्ड कार (UP 32 KA 2425) आई और टेंट में घुस गई। 7 लोगों को कुचलते हुए दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके जैसी आवाज हुई। कुछ लोग उछलकर 5-6 फीट दूर गिरे। चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने पाटेश्वरी प्रसाद (42), मनोज सिंह (51) और गणेश पांडेय (45) को मृत घोषित कर दिया। जबकि, 4 घायलों को हायर सेंटर



बहराइच रेफर कर दिया। हादसे के बाद ड्राइवर कार लेकर मौके से भाग गया। लोगों ने 15 किमी. पीछा कर उसे पकड़ा। उन्होंने बताया कि ड्राइवर नशे में धुत था। उसकी कार में शराब की बोतलें रखी हुई थीं। घटना मुख्यालय से 10 किमी दूर कोतवाली देहात क्षेत्र के बेल्हा ग्राम पंचायत में हुई। पुलिस के मुताबिक, कार्यक्रम में शामिल सभी लोग चरनगहिया बेलहा गांव के ही रहने वाले थे। घायलों में छेदीराम (50), घोपराम (31), डब्लू (37) और मुकेश तिवारी (30) शामिल हैं। सभी का बहराइच में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मंदिर के पास हर साल नवरात्रि में फिल्म दिखाने की व्यवस्था की जाती है। गांव के लोग साथ बैठकर दुर्गापूजा से जुड़ी फिल्में और भजन-सत्संग देखते हैं। अचानक गौरा रोड की तरफ से आ रही फोर्ड कार बेकाबू हो गई और लोगों को कुचलते हुए निकल गई। प्रत्यक्षदर्शी हिमांशु सिंह ने बताया कि- मंदिर में आरती हो चुकी थी। प्रसाद बंट रहा था। आधे लोग जा चुके थे। आधे लोग मंदिर के बाहर सड़क के किनारे खड़े थे। कार चालक काफी नशे में था। उसने सड़क किनारे खड़े लोगों के पर गाड़ी चढ़ा दी।

अंधेरा और स्पीड की वजह से हुआ हादसा- सीओ

सीओ अभिषेक सिंह ने बताया- चरनगहिया बेलहा गांव में कुछ लोग रोड किनारे कार्यक्रम कर रहे थे। इसमें प्रोजेक्टर के जरिए पर्दे लगाकर वीडियो देखे जा रहे थे। इसी बीच एक कार वहां से गुजर रही थी। अंधेरा होने की वजह से कार अनियंत्रित हो गई। 7 लोगों को रौंद दिया।

ड्राइवर कार लेकर मौके से भाग गया। उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई। बॉर्डर सील कर दिए। एक घंटे के अंदर ड्राइवर आदर्श यादव को पकड़ लिया गया। वह सीतापुर का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ कर कार के मालिक का पता लगा रही है।



- पूजा के बाद लोग टेंट में प्रोजेक्टर के जरिए पर्दे पर वीडियो देखने के लिए बैठे थे।
- हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर कई बाइकें क्षतिग्रस्त मिली हैं।

एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में हुआ रावण दहन, विद्यार्थियों को दिया अच्छाई की जीत का संदेश

नौ फुट के रावण के पुतले के माध्यम से भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपराओं से कराया परिचित

तमसा संकेत,संवाददाता

मेरठ। भारतीय संस्कृति एवं पौराणिक परंपराओं से विद्यार्थियों को जोड़ने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देने के उद्देश्य से एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नौ फुट ऊंचा रावण का पुतला तैयार किया गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दशहरा पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया गया। उन्हें बताया गया कि रावण दहन बुराई, अहंकार और अधर्म के अंत तथा अच्छाई, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है।

इस प्रकार के आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के





प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन विष्णु शरण अग्रवाल, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल एवं मैनेजर बरखा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर मवाना रोड शाखा की प्रधानाचार्या रूपाली सहगल, जागृति विहार शाखा की प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा तथा पल्लवपुरम शाखा की प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा मौजूद रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार का पालन करना चाहिए, क्योंकि अंततः विजय सदैव अच्छाई की होती है।

एमएलसी चुनाव में भाजपा-सपा ने ताकत झोंकी

स्नातक पर त्रिकोणीय, शिक्षक सीट पर भाजपा-सपा में मुकाबला

तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा। स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए मतदान में अब कुछ ही दिन बचे हैं। भाजपा और सपा ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले हो रहे इस चुनाव को दोनों दलों के लिए अहम माना जा रहा है। आगरा खंड की स्नातक सीट पर भाजपा, सपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला दिखाई दे रहा है। वहीं, शिक्षक सीट पर भाजपा और सपा प्रत्याशियों के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही है। दोनों सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा, 27 अक्टूबर को आगरा में मतगणना की जाएगी। इस बार दोनों सीटों पर कुल 25 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें स्नातक सीट पर 13 और शिक्षक सीट पर 12 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 150 बूथ बनाए जा रहे हैं। इस सीट पर 50,802 मतदाता मतदान करेंगे। वहीं, स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए करीब 262 बूथों पर वोटिंग होगी। स्नातक सीट के लिए 1,90,725 मतदाता सूचीबद्ध हैं। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को मिलाकर 2,41,527 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद और कन्नौज जिलों के मतदाता 23 अक्टूबर को मतदान में हिस्सा लेंगे।



23 अक्टूबर को होगा मतदान

आगरा खंड की दोनों MLC सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा। प्रशासन ने चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए 11 जोनल मजिस्ट्रेट और 3 आरक्षित जोनल मजिस्ट्रेट, जबकि 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 10 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट मतदान पार्टियों को पोलिंग पार्टी प्रस्थान स्थल से सुरक्षित रूप से मतदेय स्थल तक पहुंचाएंगे। मतदान पार्टियों के मतदेय स्थल पर पहुंचने की सूचना और चुनाव आयोग की ओर से मांगी जाने वाली अन्य जानकारियां समय से निर्वाचन कंट्रोल रूम और जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करानी होंगी।

इनके बीच मुकाबला इनके बीच मुकाबला

पिछले चुनाव में स्नातक सीट भाजपा (डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह) ने जीती थी, जबकि शिक्षक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी (डा. आकाश अग्रवाल) ने चुनाव जीता था। इस बार स्नातक सीट पर भाजपा, सपा के साथ ही एक निर्दलीय प्रत्याशी ने पूरा जोर लगा दिया है। इससे भाजपा खेमे में हलचल बढ़ी हुई है।

वहीं, शिक्षक सीट पिछली बार निर्दलीय चुनाव जीते डा. आकाश अग्रवाल ने सपा का दामन थामकर भाजपा को सीधी चुनौती दे डाली है। इसको देखते हुए भाजपा ने अपनी पूरी टीम को चुनाव में लगा दिया है। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल लगातार इसकी रिपोर्ट ले रहे हैं। पार्टी ने आगरा खंड के अंतर्गत आने वाले 12 जिलों के सांसद और विधायकों को चुनाव प्रचार में लगा दिया है।



आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने दोनों सीटों के लिए अलग-अलग प्रेक्षक नियुक्त किए हैं। स्नातक सीट के लिए आईएएस हीरालाल एवं शिक्षक सीट के लिए आईएएस अभिषेक प्रकाश को प्रेक्षक के रूप में नामित किया गया है उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान ने बताया, प्रेक्षक अभिषेक प्रकाश मंगलवार को यहां पहुंच गए। उन्होंने बताया कि प्रेक्षक का प्रवास स्थल सर्किट हाउस कक्ष संख्या-4 निर्धारित किया गया है।

ठंड से बचाव और गौवंशों के स्वास्थ्य पर दें विशेष ध्यान : चंद्र प्रकाश सिंह

वृहद गौ संरक्षण केंद्र पैंठा का औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने रविवार को ग्राम पैंठा स्थित वृहद गौ संरक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण कर गौवंशों की देखभाल, खानपान, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आगामी सर्दी के मौसम को देखते हुए गौवंशों को ठंड से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम करने और बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में शेड की स्थिति, साफ-सफाई, पेयजल, हरे चारे, भूसा भंडारण और पशुओं के पोषण की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने गौवंशों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और बीमार पशुओं के उपचार की व्यवस्था की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बीमार गौवंशों को तत्काल बेहतर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित हो सके।



जिलाधिकारी ने गौशाला प्रबंधन को निर्देशित किया कि गौवंशों को पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध कराया जाए। सर्दी से बचाव के लिए शेड सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं और परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने गौशाला में स्थापित सीसीटीवी कक्ष और कैमरों का भी निरीक्षण किया। साथ ही सभी गौवंशों की ईयर टैगिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गौवंशों की सेवा और संरक्षण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

फास्ट न्यूज

पुलिस की गाड़ी ने मासूम को मारी टक्कर

मुरादाबाद। मुरादाबाद में खुशहालपुर इलाके शनिवार देर शाम पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है। देर शाम 3 साल का बच्चा अपनी ट्राई साइकिल से सड़क पार कर रहा था तभी पीछे से आ रही पुलिस की 112 नंबर की गाड़ी ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे बच्चा सड़क पर गिर गया और उसे चोट लग गई। बच्चे को गिरता देख उसका पिता सुरमेश तुरंत भागकर आया और बच्चे को उठाया।

बरौली चेयरमैन पर दो साथियों समेत एफआईआर

अलीगढ़। बरौली नगर पंचायत के भाजपा चेयरमैन मनोज सिंह के खिलाफ लिपिक कपिल पाठक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हो गई है। कपिल ने चेयरमैन पर पिस्टल तानने, गला दबाने, जबरन गाड़ी में बैठाकर अपहरण की कोशिश और पत्नी से अभद्रता करने के आरोप लगाए हैं। मामले में चेयरमैन के साथ नगर पंचायत के ड्राइवर दुष्यंत राघव और कार्यालय सहायक राजू शर्मा को भी नामजद किया गया है। एसएसपी के निर्देश पर मडराक थाने में 18 अक्टूबर की रात मुकदमा दर्ज हुआ। उधर, चेयरमैन आरोपों को लगातार झूठा और निराधार बता रहे हैं।

युवक की गला काटकर हत्या करने वाले को उम्रकैद

आगरा। आगरा में 18 वर्षीय मयूरी चालक अरशद की गला काटकर हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी जैनुद्दीन को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडीजे फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत कुमार सरोज ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर उसे दोषी करार दिया। कोर्ट ने 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। मामले में मोबाइल की लोकेशन, कॉल डिटेल, खून के निशान और हत्या में इस्तेमाल हंसिया अहम साक्ष्य बने।

एमआईटी की डांडिया नाइट में गरबा की धूम

रंग-बिरंगे परिधानों में थिरके विद्यार्थी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। नवरात्र के पावन अवसर पर मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने डांडिया, गरबा और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव का उल्लास बिखेरा। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद मां दुर्गा की आराधना करते हुए विद्यार्थियों ने पारंपरिक गरबा और डांडिया प्रस्तुतियां दीं। पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन एकेडमिक डॉ. गौरव शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. संजय माथुर और मीडिया हेड अजय चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।



डांडिया नाइट ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सामूहिक उत्सव की भावना से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। पारंपरिक नृत्य के साथ डीजे संगीत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर आयोजन को यादगार बनाया।

25% की पोलिंग सेंटर मैपिंग पर सवाल, 23 अक्टूबर को मतदान

अलीगढ़ में 9 हजार वोटर घटे

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। विधान परिषद की आगरा स्नातक सीट पर 23 अक्टूबर को मतदान होना है। चुनाव प्रचार अब अंतिम दौर में है। भाजपा और सपा समेत सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। हालांकि, अलीगढ़ में प्रत्याशियों के सामने प्रचार के साथ दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहली, पिछले चुनाव के मुकाबले करीब 9 हजार मतदाता कम हो गए हैं। दूसरी, करीब 25% मतदाताओं के पोलिंग सेंटर की मैपिंग में गड़बड़ी की शिकायत है। ऐसे में प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को वोट मांगने के साथ मतदाताओं को उनके मतदान केंद्र की सही जानकारी भी देनी पड़ रही है। आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 12 जिले शामिल हैं। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, पूरी सीट पर करीब 1.92 लाख मतदाता हैं। इनमें अलीगढ़ करीब 38 हजार मतदाताओं के साथ सबसे आगे है। आगरा में लगभग 25 हजार और इटावा में करीब 20 हजार मतदाता हैं। अलीगढ़ में सबसे ज्यादा वोटर होने के कारण यहां के चुनावी समीकरण का असर पूरी सीट पर पड़ सकता है। पिछले स्नातक एमएलसी चुनाव में अलीगढ़ में करीब 47 हजार मतदाता थे। इस बार अंतिम सूची में इनकी संख्या घटकर लगभग 38 हजार रह गई है। यानी करीब 8 से 9 हजार मतदाता कम हो गए हैं। इसे लेकर भाजपा और सपा समर्थक अलग-अलग तर्क दे रहे हैं। भाजपा का कहना है कि उसने बड़ी संख्या में मतदाता बनवाए हैं। वहीं, सपा समर्थक प्रत्याशी की घोषणा देर से होने के कारण मतदाता बनाने के अभियान में परेशानी आने की बात कह रहे हैं। हालांकि, मतदाताओं की संख्या घटने की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं है।



मानवेंद्र प्रताप सिंह और शशांक यादव के बीच मुकाबला

आगरा स्नातक सीट पर भाजपा ने मौजूदा एमएलसी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह को दोबारा मैदान में उतारा है। सपा से शशांक यादव चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा अवागढ़ राजपरिवार से जुड़े अंबरीश पाल सिंह भी मैदान में हैं। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दक्ष यादव भी चुनाव लड़ रहे हैं। राजनीतिक हलकों में इन प्रत्याशियों की मौजूदगी को सजातीय वोटों के संभावित बंटवारे से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इसका वास्तविक असर मतदान के बाद ही पता चलेगा।

मतदाताओं को मतदान केंद्र खोजने में परेशानी न हो, इसके लिए भाजपा ने मैपिंग सूची जारी की है। कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को उनके मतदान केंद्र की जानकारी दे रहे हैं। सपा भी जनसंपर्क के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने में जुटी है।

स्कूलों में लोकतंत्र की पाठशाला बनेंगे मतदाता साक्षरता क्लब

विद्यार्थियों को मतदान, संविधान और मताधिकार के प्रति जागरूक करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों और मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के विद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) गठित किए जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में इस पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसी उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में प्रधानाचार्यों की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब के गठन, पंजीकरण और नियमित संचालन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अखिलेश यादव ने प्रधानाचार्यों और संबंधित शिक्षकों को मतदाता साक्षरता क्लब की उपयोगिता और इसकी गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विद्यार्थियों को शुरुआती दौर से ही निर्वाचन प्रक्रिया, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और मताधिकार के महत्व से परिचित कराना जरूरी है। विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित होने से वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभा सकेंगे। डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि विद्यालयों में गठित होने वाले मतदाता साक्षरता क्लब विद्यार्थियों के लिए लोकतंत्र की पाठशाला के रूप में काम करेंगे। इन क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को चुनाव की प्रक्रिया समझने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि क्लब की गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को मतदाता सूची, मतदान के महत्व, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान और जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल निर्वाचन संबंधी जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति समझ और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।



शिक्षक-अभिभावक बैठक में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुआ मंथन

विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास में अभिभावक-शिक्षक साझेदारी जरूरी

3000 से अधिक पुस्तकें बनीं विद्यालय की शान

तमसा संकेत, संवाददाता

(मथुरा)। पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, शैक्षिक गुणवत्ता और व्यक्तित्व निर्माण को लेकर शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित की गई। इसमें विद्यालय की शैक्षणिक एवं विकासात्मक कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए अभिभावकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की जिम्मेदारी केवल विद्यालय या शिक्षकों की नहीं है, बल्कि इसमें अभिभावकों की भूमिका भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। विद्यालय और घर के बीच बेहतर समन्वय से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में अनुशासन, नियमित एवं प्रभावी शिक्षण, खेलकूद, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न प्रतियोगितात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।



शिक्षक-अभिभावक संवाद से सुधरेगी शैक्षणिक गुणवत्ता

डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि विद्यालय तभी श्रेष्ठ बनता है, जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी एक टीम के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय की विकास योजनाओं में सहयोग देने तथा बच्चों की प्रगति, उपलब्धियों और सुधार की संभावनाओं पर शिक्षकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने का आग्रह किया। बैठक में शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और व्यवहार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अभिभावकों के साथ चर्चा की। अभिभावकों ने विद्यालय में हो रहे सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, अच्छे संस्कार और उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना रहा।

पृष्ठ 01 का शेष...

योगी सरकार में यूपी ...

हालांकि, शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के आंकड़े को समझने के लिए यह ध्यान रखना जरूरी है कि विद्यालयों की संख्या और उनके स्वरूप में भी इस अवधि में बदलाव हुआ है। इसलिए कुल संख्या में वृद्धि को प्रति विद्यालय शिक्षक उपलब्धता में समान अनुपात की वृद्धि नहीं माना जा सकता। इन विद्यालयों में बालवाटिका से कक्षा आठ तक एक ही परिसर में शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इससे बच्चों को प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर तक पढ़ाई जारी रखने के लिए एकीकृत शैक्षिक वातावरण मिलता है। विद्यालयों के एकीकरण से शिक्षण व्यवस्था के संचालन और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। कंपोजिट विद्यालयों की व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य अलग-अलग शैक्षिक स्तरों को एक ही परिसर में उपलब्ध कराना है। इससे विद्यार्थियों को शुरुआती शिक्षा से लेकर कक्षा आठ तक पढ़ाई के लिए एक ही विद्यालय परिसर में सुविधाएं मिल सकती हैं।

सौरव और आशुतोष ...

जंतर-मंतर को हाल में प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाया गया है। CJP की लीगल टीम के मुताबिक, जमानतदार उपलब्ध नहीं होने के कारण सौरभ दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अब जमानतदारों के दस्तावेज रिकॉर्ड पर रखे गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिली थी। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उन्हें 50-50 हजार रुपए के जमानती मुचलके पर रिहा कर दिया गया। रिहाई की शर्त के मुताबिक, तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखनी होगी और ऐसा कोई काम नहीं करना होगा, जिससे शांति भंग हो।

भारत न तो बांग्लादेश ...

भारत में जेन-जी भी यही लड़ाई लड़ रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी और जहांगीर यूनिवर्सिटी बढ़ती धमकियों और हमलों के बीच मुश्किल हालात में हैं। भारत में भी हमारे संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों की यही स्थिति है, जहां छात्रों के अधिकारों पर बड़े पैमाने पर रोक लगाई जा रही है। शिक्षा के निजीकरण पर जोर दिया जा रहा है। यहां शिक्षण संस्थानों का भगवाकरण हो रहा है और आलोचनात्मक सोच को दबाया जा रहा है। इस साल जुलाई में नेहा बोरा NEET पेपर लीक के मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनों के दौरान चर्चा में आईं। इन प्रदर्शनों में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई थी। वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में भी शामिल हुईं। अक्टूबर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान वह फिर चर्चा में आईं। 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। हिरासत के दौरान जारी एक वीडियो में उन्होंने कहा- मैं हिरासत में हूं, आंदोलन नहीं। उनके भाषणों और प्रदर्शनों के वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए।

मुझ पर केस किया ...

राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। राहुल गांधी कांग्रेस की 'गोय राखोन यात्रा' के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। यह यात्रा 22 सितंबर से शुरू हुई थी और गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंची। कांग्रेस ने इसमें जमीन, पहचान, पर्यावरण, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठाए हैं। गोवा में अगला विधानसभा चुनाव 2027 की शुरुआत में संभवतः फरवरी-मार्च 2027 में होगा। चुनाव की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च 2027 को खत्म होगा। गोवा में कांग्रेस 2012 से सत्ता से बाहर है, यानी करीब 15 साल। 2012 में कांग्रेस सरकार को BJP-MGP गठबंधन ने हराया था। 2017 में कांग्रेस 17 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन BJP ने गठबंधन बनाकर सरकार बना ली। 2022 में BJP ने 20 सीटें जीतीं और बाद में कांग्रेस के 8 विधायक BJP में चले गए। राहुल ने कहा- पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। इनका यही काम है। गोवा की जनता को लूटने का, आपकी जमीन छीनकर अरबपतियों को देने का। देश मे सबसे ज्यादा बेरोजगारी गोवा में है। यहां के लोग गोवा छोड़कर विदेश जा रहे है। बीजेपी के लोग अरबपति बन रहे हैं। गोवा सीएम के एसेट्स बढ़ते ही जा रहे हैं। पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर बर्बाद कर दिया है। सबकुछ अदाणी, अंबानी को पकड़ा दिया है। इनका यही काम है। क्योंकि, अरबपति इनकी मार्केटिंग करते हैं। इस देश में सबसे ज्यादा कहीं करप्शन है तो वह गोवा में है। राहुल ने कहा- गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। राहुल ने कहा- मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई मामला दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में ज्ञानेश कुमार सो नहीं पाते रात को। पीएम और अमित शाह को भी नींद नहीं आती। क्योंकि, वे जानते हैं कि आज नहीं तो कल उनसे न्याय लेगी। ये तीनों जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी से ये लोग नहीं बच सकते हैं। क्योंकि, हम संविधान के रखवाले हैं। कांग्रेस की 'गोय राखोन यात्रा' 22 सितंबर को शुरू हुई थी। इस यात्रा के तहत गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया। पार्टी ने इसे गोवा की जमीन, पहचान, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान बताया है। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क किया। पार्टी का उद्देश्य स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझना और उन्हें अपने अभियान से जोड़ना रहा है। 'गोय राखोन यात्रा' कांग्रेस का गोवा में चलाया गया जनसंपर्क अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य की जमीन, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान से जुड़े मुद्दों को उठाना है। राहुल ने कहा- मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई मामला दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में ज्ञानेश कुमार सो नहीं पाते रात को। पीएम और अमित शाह को भी नींद नहीं आती। क्योंकि, वे जानते हैं कि आज नहीं तो कल उनसे न्याय लेगी। ये तीनों जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी से ये लोग नहीं बच सकते हैं। क्योंकि, हम संविधान के रखवाले हैं। कांग्रेस की 'गोय राखोन यात्रा' 22 सितंबर को शुरू हुई थी। इस यात्रा के तहत गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया। पार्टी ने इसे गोवा की जमीन, पहचान, पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान बताया है। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क किया। पार्टी का उद्देश्य स्थानीय लोगों की समस्याओं को समझना और उन्हें अपने अभियान से जोड़ना रहा है। 'गोय राखोन यात्रा' कांग्रेस का गोवा में चलाया गया जनसंपर्क अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य की जमीन, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय पहचान से जुड़े मुद्दों को उठाना है। 2 सितंबर से शुरू हुई यह यात्रा राज्य की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंचने के लिए आयोजित की गई है।

फुटबॉल मैच के दौरान मैदान पर घुसी कार

हादसा

6 साल के बच्चे समेत 2 की मौत, कई घायल, ड्राइवर हिरासत में है

कंसास (अमेरिका), एजेंसी

अमेरिका के कंसास में शनिवार को एक फुटबॉल मैच के दौरान एक कार मैदान में घुस गई। हादसे में 6 साल के एक बच्चे समेत 2 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। यह घटना विचिटा स्थित स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। कार करीब 3:25 बजे मैदान में घुसी, उस समय स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का मैच चल रहा था।

विचिटा पुलिस ने ड्राइवर को तुरंत हिरासत में ले लिया। अधिकारियों के मुताबिक, अब आम लोगों को अब कोई खतरा नहीं है। कार के अंदर 2 नाबालिग सवार थे। हादसे के बाद कार घटनास्थल पर ही रही। विचिटा पुलिस विभाग के



हादसे के बाद बचाव कार्य में जुड़े सुरक्षा कर्मी।





मैदान के अंदर घुसी काले रंग की कार। साथ में पुलिस वैन भी दिख रही है।

घटना में मारे गए दोनों लोगों में एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल हैं। जांच पूरी होने तक अधिकारियों ने मृतकों पहचान सार्वजनिक नहीं की है।

जांचकर्ताओं को अभी यह पता नहीं चला है कि कार की रफ्तार कितनी थी। यह भी साफ नहीं है कि कार सुरक्षा घेरे के गेट से किस तरह मैदान में घुसी।

आरोन मोसेस ने बताया कि ड्राइवर हिरासत में है। उन्होंने कहा, 'उस ड्राइवर से आम लोगों को अब कोई और खतरा नहीं है।'

हादसे के बाद सभी इवेंट रोके गए

हादसे के बाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले सभी कार्यक्रम तुरंत रोक दिए गए। कंसास स्टेट हाई स्कूल एक्टिविटीज एसोसिएशन (KSHSAA) ने X पर लिखा, 'KSHSAA शनिवार को स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फ्लैग फुटबॉल प्रतियोगिता से जुड़े मैदान पर हुई घटना से प्रभावित परिवारों और टीमों के प्रति संवेदना जताता है।'

एसोसिएशन ने लिखा- 'आपात स्थिति को देखते हुए हमने फ्लैग फुटबॉल के तीसरे स्थान और चैंपियनशिप मैच बाद की तारीख तक रोकना सही समझा। इसकी जानकारी सोमवार को दी जाएगी।'

शमार स्प्रिंगर वेस्टइंडीज टेस्ट टीम में शामिल

कीमो पॉल निजी कारणों से बांग्लादेश दौरे से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए शमार स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने कीमो पॉल की जगह ली है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (CWI) ने रविवार को बताया कि पॉल निजी और पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटेंगे। स्प्रिंगर ने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है।

वेस्टइंडीज का बांग्लादेश दौरा 22 अक्टूबर से ढाका में 3 दिन के प्रैक्टिस मैच से शुरू होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मीरपुर में खेला जाएगा। रोस्टन चेज कप्तान और जोमेल वॉरिकन उप-कप्तान हैं।

28 साल के शामर स्प्रिंगर वेस्टइंडीज के लिए तीन वनडे और 12 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। वह अब तक टेस्ट टीम में जगह



बनाने के बावजूद टेस्ट मैच नहीं खेल सके हैं। स्प्रिंगर ने 23 फर्स्ट-क्लास मैचों में 1,043 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 32.59 है। उन्होंने 27.87 की औसत से 58 विकेट भी लिए हैं।

उन्होंने 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में बारबाडोस के लिए अच्छी बल्लेबाजी की। 4 मैचों में उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए। हालांकि, गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन सामान्य रहा। वे आठ पारियों में उन्होंने 42.00 की औसत से 7 विकेट ही ले सके हैं। CWI ने बताया कि ओजाय शील्ड्स और नायल स्मिथ को पॉल के संभावित विकल्पों के तौर पर देखा गया था।

वनडे ट्राई सीरीज-जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 99 रन से हराया

एर्विन-टेलर में 150 रन की साझेदारी, ब्रैड इवांस को 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

जिम्बाब्वे ने UAE में चल रही वनडे ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 99 रन से हरा दिया। 93 रन बनाने वाले क्रेग एर्विन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने बैटिंग चुनी। जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन बनाए। ब्रेंडन टेलर ने भी 81 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे की पारी संभाली। जवाब में बांग्लादेश 33.4 ओवर में 172 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रैड इवांस ने 45 रन देकर 4 विकेट लिए।

जिम्बाब्वे ने टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी चुनी। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने शुरुआती स्पेल में



तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को दबाव में डाल दिया। उन्होंने सात ओवर के अंदर ब्रायन बेनेट, बेन करन और तफादजवा त्सिगा को आउट किया। इसके बाद जिम्बाब्वे का स्कोर 24 रन पर 3 विकेट हो गया। यहां से टेलर-एर्विन ने पारी संभाली। एर्विन शतक से 7 रन दूर रह गए।

बांग्लादेश की ओर से तस्कीन अहमद ने 10 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए। सैफ हसन और शोरिफुल इस्लाम ने 2-2 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने तेज शुरुआत की। तंजीद हसन तमीम ने 38 गेंदों पर 46 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 1 छक्का लगाया। हालांकि, सौम्य सरकार 9 रन बनाकर ब्लेसिंग मुजारबानी का शिकार हो गए।

इसके बाद न्यूमैन न्यामहुरी ने 10वें ओवर में तंजीद को आउट कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई। ब्रैड इवांस ने मिडिल ऑर्डर को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने 45 रन देकर 4 विकेट लिए।

गावस्कर बोले- हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत को हार्दिक पंड्या का विकल्प तलाशना बंद करना चाहिए। पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता।

77 साल के गावस्कर ने शनिवार रात को कहा कि इंडियन टीम को अलग-अलग रोल प्ले करने वाले प्लेयर्स पर ध्यान देना चाहिए। उसे अपनी गेंदबाजी मजबूत रखने के लिए कम से कम 4 स्पेशलिस्ट बॉलर्स खिलाने चाहिए।

गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा कि 5वें और छठे गेंदबाजी विकल्प के तौर पर ऐसे ऑलराउंडर होने चाहिए, जो बल्लेबाजी भी कर सकें।

गावस्कर ने कहा, 'हम कभी-कभी हार्दिक पंड्या का रिप्लेसमेंट तलाशने में जरूरत से ज्यादा जुट जाते हैं। हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर आपको उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिलता, तो ऐसे खिलाड़ी को चुनिए, जो थोड़ा अलग काम कर सके।'

कहा- 2 मैच में बेहतर गेंदबाजी करते तो नतीजा अलग होता, सीरीज 2-2 से बराबर

वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलेगा : श्रेयस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा।

बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था।

इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूं कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।'

उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप



से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी-20 बेनतीजा रहा। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश की वजह से 6:30 बजे होने वाला टॉस ढाई घंटे लेट 9 बजे हुआ।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मैच 9-9 ओवर का किया गया। भारत ने शनिवार को 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन बनाए। इसके बाद बारिश आ गई और आगे का मैच नहीं हो सका।



अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया। अय्यर ने कहा, 'जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

मनोरंजन

नोटिस को गैरकानूनी बताया, एक्टर से ओसीआई कार्ड रद्द करने को लेकर मांगा गया जवाब

भारत छोड़ने के नोटिस के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे इमरान खान

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर इमरान खान ने भारत छोड़ने के नोटिस को शनिवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने इसे मनमाना, गैरकानूनी और असंवैधानिक बताया है।

मुंबई के फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (FRRO) ने शनिवार को उन्हें दूसरा नोटिस भी भेजा। इसमें पूछा गया है कि उनका ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड क्यों न रद्द किया जाए। इमरान को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। पहले नोटिस में उन्हें 28 अक्टूबर से



पहले भारत छोड़ने को कहा गया था।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, इमरान ने अपने वकील जुल्फिकार मेमन और MZM लीगल के जरिए याचिका दायर की।

याचिका में कहा गया कि मौजूदा कानून या



किरीट सोमैया महाराष्ट्र भाजपा के उपाध्यक्ष हैं। वह मुंबई उत्तर-पूर्व लोकसभा क्षेत्र से 13वीं और 16वीं लोकसभा के सांसद (MP) रह चुके हैं।

नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो OCI कार्डधारक को शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने से रोकता हो। इमरान की ओर से कहा गया कि पुलिस ने नोटिस जारी करते समय कोई वजह नहीं बताई और न ही इसके समर्थन में दस्तावेज दिए। उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिला। याचिका में 10 अक्टूबर को पुलिस हिरासत में लिए जाने को भी गलत बताया गया है।

10 अक्टूबर को प्रदर्शन में पहुंचे थे इमरान

इमरान खान ने 10 अक्टूबर को मुंबई में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। अगस्त क्रांति मैदान से पहले बैरिकेड पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया था। इसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इमरान ने कहा कि बाद में उन्हें मीडिया से पता चला कि मामले में उनका नाम FIR में दर्ज है। उनकी लीगल टीम ने पुलिस से इलाके के CCTV फुटेज देने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह प्रदर्शन में शामिल थे या नहीं।

उनके वकील ने बताया कि इमरान उस दिन नाना चौक से गुजर रहे थे। रास्ता बंद होने और मीडियाकर्मियों के सवाल पूछने पर उन्होंने बयान दिया था।

किरीट सोमैया की शिकायत से शुरू हुआ पूरा विवाद

इस पूरे मामले की शुरुआत बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया की शिकायत के बाद हुई थी। सोमैया ने मुंबई पुलिस और एफआरआरओ को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि अमेरिकी नागरिक होने के नाते इमरान खान का राजनीतिक प्रदर्शन में शामिल होना OCI नियमों और वीजा शर्तों का सीधा उल्लंघन है। नागरिकता कानून के मुताबिक, ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (OCI) कार्डधारकों को भारत में रहने और आने-जाने की सुविधा मिलती है, लेकिन उन्हें भारत में कोई राजनीतिक अधिकार या आंदोलन में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं होती। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होने के कारण ही यह पूरी कानूनी कार्रवाई शुरू हुई है।



मुखर्जी परिवार की दुर्गा पूजा में शामिल हुए रणबीर कपूर

पंडाल में हर्षदीप कौर के साथ गाया गाना 'कबीरा'



नई दिल्ली, एजेंसी

रणबीर कपूर शनिवार शाम को मुखर्जी परिवार की दुर्गा पूजा में शामिल हुए। वो मुंबई के नॉर्थ बॉम्बे सार्बोजनिन दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। उन्होंने यहां देवी दुर्गा के दर्शन किए। रणबीर कपूर ने सिंगर हर्षदीप कौर के साथ स्टेज पर 'कबीरा' गाना गाया। यह गाना 2013 में आई उनकी फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का है। इसके बाद रणबीर ने हाथ जोड़कर तस्वीरें खिंचवाईं। वह अयान मुखर्जी और पूजा में आए कुछ दूसरे मेहमानों से भी मिले।

रणबीर के साथ फिल्ममेकर और उनके दोस्त अयान मुखर्जी भी पंडाल में मौजूद थे। अयान ने ही 'ये जवानी है दीवानी' का निर्देशन किया था। रणबीर के साथ फिल्ममेकर और उनके दोस्त अयान मुखर्जी भी पंडाल में मौजूद थे। अयान ने ही 'ये जवानी है दीवानी' का निर्देशन किया था। रणबीर की परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आने के बाद फैंस नॉस्टैल्जिक हो गए। एक फैन ने लिखा, "ओएमजी, वह यहां बहुत ज्यादा हैंडसम लग रहे हैं।"

दूसरे फैंस ने 'ये जवानी है दीवानी' के GIF कमेंट किए। एक उत्साहित फैन ने लिखा, "ओएमजी, जिस तरह नॉस्टैल्जिया ने मुझे अभी घेर लिया।" एक अन्य फैन ने हार्ट-आइज इमोजी के साथ लिखा, "क्या प्यारा पल है।" कई फैंस ने वीडियो पर हार्ट और हार्ट-आइज इमोजी भी कमेंट किए।



'स्पिरिट' से प्रभास का नया पोस्टर जारी

दीपिका पर लगा था मूवी की कहानी लीक करने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर रविवार शेयर किया।

पोस्टर में फिल्म के लीड एक्टर प्रभास काले कपड़ों, टोपी और चश्मे में नजर आ रहे हैं।उनका लुक काफी गंभीर दिख रहा है।

इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई है। 'स्पिरिट' 29 अक्टूबर 2027 को दिवाली के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा और प्रभाकर रेड्डी वांगा फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि दीपिका ने फिल्म के लिए भारी फीस के साथ 10% प्रॉफिट शेयर मांगा था। मेकर्स उनकी मांग से सहमत नहीं हुए थे। इसके बाद उन्होंने दूसरे कलाकारों पर विचार शुरू किया था। प्रणय के मुताबिक, इसी दौरान फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी जानकारी लीक हो गई थी। उन्होंने कहा था कि इससे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा नाराज हुए थे।

प्रणय ने बिना नाम लिए दीपिका पर सवाल भी



उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि मेकर्स की मेहनत वाली कहानी लीक करना कौन सा फेमिनिज्म है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने के बाद प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी को कास्ट किया गया था।

दीपिका के स्पिरिट से बाहर होने पर विवाद हुआ

स्पिरिट से दीपिका पादुकोण के बाहर होने को लेकर फिल्म चर्चा में आ गई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका ने प्रतिदिन केवल 6 से 8 घंटे की शिफ्ट में काम करने की शर्त रखी थी, जिससे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा सहमत नहीं थे। वहीं, संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने स्पिरिट से दीपिका के बाहर होने को लेकर बड़ा दावा किया था।

मेकर्स ने इससे पहले फिल्म से 2026 के न्यू ईयर के दिन प्रभास का फिल्म से पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में वह घायल पीठ के साथ गंभीर अंदाज में नजर आए थे।

पोस्टर में फीमेल लीड तृप्ति डिमरी प्रभास के किरदार को सिगरेट जलाते हुए दिखी थीं। बता दें कि फिल्म में विवेक ओबेरॉय भी हैं। ऐश्वर्या देसाई इस फिल्म से डेब्यू कर रही हैं।

रक्षा मंत्री बोले- ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा ■ यहां 1300 कर्मचारी तैनात थे

कनाडा में सैन्य अड्डे पर धमाका, कई सैनिक मारे गए

धमाका



■ कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने शनिवार को हादसे की जानकारी देते हुए।



■ कनाडा के सैन्य अड्डे पर विस्फोट के बाद आग तेजी से फैल गई। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है।

अल्बर्टा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा के सैन्य अड्डे पर शनिवार को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। इसमें कई सैनिक और कर्मचारी मारे गए। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने हादसे की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसा दर्दनाक दृश्य पहले कभी नहीं देखा।' मृतकों और घायलों की संख्या फिलहाल नहीं बताई गई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर इसे गंभीर घटना बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन साथ मिलकर राहत और बचाव के काम में जुटी है। इस सैन्य अड्डे पर 1300 से ज्यादा सैनिक और कर्मचारी काम करते है।

डॉक्टर बोले- स्वास्थ्य केंद्र मरीजों से भरे

स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, विस्फोट के बाद तेज हवाओ के कारण आग सैन्य अड्डे के आसपास तेजी से फैल गई। कई इलाकों से दमकलकर्मी आग बुझाने के लिए पहुंचे।

रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल के इमरजेंसी डॉक्टर वॉरेन थिर्स्क ने इसे 15 से 25 साल में एक बार होने वाली बड़ी आपदा बताया। उन्होंने कहा कि मरीजों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि शहर के स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह भर गए। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि धमाका कैसे हुआ और आग लगने की वजह क्या थी। रक्षा मंत्री मैकगिन्टी ने कहा कि कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) घटना की जांच कर रही है।



■ कनाडा के सैन्य अड्डे पर आग लगने की घटना के बाद एडमंटन के अस्पतालों में बड़ी संख्या में घायलों को लाया गया।

> **अल्बर्टा में यह सैन्य अड्डा कनाडा के अहम आर्मी ट्रेनिंग कैंप्स में से एक है। यहां सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार किया जाता है। यहां कनाडियन मैनूवर ट्रेनिंग सेंटर भी है, जहां जवान युद्ध के मैदान जैसी परिस्थितियों में ट्रेनिंग लेते हैं। इसके अलावा, यहां तीसरे कनाडाई डिवीजन के सैनिकों को भी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है।**

सऊदी अरब में एएच-6आई टोही हेलीकॉप्टर क्रैश

नई दिल्ली, एजेंसी



सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार नजरां में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर जहां दुर्घटनाग्रस्त हुआ हैं वो सऊदी नेशनल गार्ड मंत्रालय के अधिकार वाला क्षेत्र है।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि सऊदी अरब के नजरां में एएच6आई (AH-6i) टोही हेलीकॉप्टर दुर्घट-नाग्रस्त होने से दो क्रू मेंबर की मौत हो गई है। बता दें कि नजरां के दक्षिण-पश्चिम इलाके पर कई बार हूती विद्रोहियों के हमले हो चुके हैं। गठबंधन और इन उग्रवादियों के समूह के बीच जंग तेज हो गई है। इसके साथ ही ये अमेरिका के लिए भी एक चुनौती बनता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से ईरान और अमेरिका जंग जारी है। इस जंग में हूती विद्रोहियों ने भी अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के दावे से उलट इधर हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया है। शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट में इससे जुड़ा दावा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके समूह ने नजरां के पास सऊदी अरब के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि ये हेलीकॉप्टर सीमा के पास हमारे ठिकानों को निशाना बनाने का काम कर रहा था।

फास्ट न्यूज

सोना इस हफ्ते 3 हजार रुपए सस्ता, 1.46 लाख आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड के दाम 3,004 रुपए गिरकर 1.46 लाख रुपए आ गए है। इसे पहले ये बीते हफ्ते यानी 9 अक्तूबर को 1.49 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2.21 लाख रुपए से गिरकर 2.11 लाख रुपए पर आ गए हैं।

कनाडा के अल्बर्टा मिलिट्री बेस पर लगी भीषण आग

ओटावा। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के प्रमुख सैन्य ठिकाने पर शनिवार को हादसे के बाद भीषण आग लग गई। इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिंन्टी ने घटना की पुष्टि करते हुए दुख जताया, हालांकि उन्होंने अभी हताहतों की सटीक संख्या या हादसे के कारणों का खुलासा नहीं किया है। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिंन्टी ने कहा कि स्थिति बेहद गंभीर, सक्रिय और संवेदन-शील बनी हुई है। मामले की जांच में रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस भी शामिल हो गई है।

मिड टर्म इलेक्शन से पहले अमेरिका में 'नो किंग्स' रैलियां

वाशिंगटन। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले शनिवार को देशभर में 'नो किंग्स' नेटवर्क द्वारा बड़े पैमाने पर रैलियों और प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। हालांकि, आयोजकों ने इन्हें गैर-दलीय बताया लेकिन 'नो किंग्स' मूल रूप से राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के फैसलों तथा सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता रहा है।

अंबानी से जामनगर में मिलेंगे अमेरिकी मंत्री

टेक्सास रिफाइनरी में रिलायंस के निवेश पर चर्चा संभव

लंदन, एजेंसी



अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले हफ्ते दो दिन के भारत दौरे पर आ रहे हैं। अपने इस दौरे के दौरान वे गुजरात में रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स में करीब 9 घंटे बिताएंगे। यहां रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से उनकी मुलाकात भी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सास में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। इसी वजह से यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। रुबियो के तय कार्यक्रम के मुताबिक, वे 20 अक्टूबर को सबसे पहले मुंबई पहुंचेंगे। 21 अक्टूबर को वे जामनगर के लिए रवाना होंगे। वहां वे मुकेश अंबानी से मिलेंगे और रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स का जायजा लेने का साथ 'वनतारा' वाइल्डला-इफ एंड एनिमल रिहैबिलिटेशन सेंटर को भी देखने जा सकते हैं। गुजरात निकलने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत के दूसरे बड़े उद्योगपतियों से भी मुलाकात होनी है। अमेरिका में आने वाले नवंबर में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं और वहां डीजल की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ी हुई हैं। रणनीतिक फर्म 'टेनेओ' के साउथ एशिया एडवाइ-जर अर्पित चतुर्वेदी के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन किसी भी तरह बाजार में फ्यूल की सप्लाई बढ़ाना चाहता है ताकि कीमतें नीचे आ सकें।

6 लोगों को पकड़ा, पुलिस बोली- उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं

बांग्लादेश में पिस्तौल लेकर ड्रग्स तस्करों को पकड़ने पहुंचे मंत्री

ढाका, एजेंसी



बांग्लादेश में एक मंत्री का हाथ में पिस्तौल लेकर ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करने का वीडियो सामने आया है। मंत्री इशराक हुसैन राजधानी ढाका की एक बस्ती में अपने साथियों के साथ पिस्तौल लेकर घूमते, लोगों से बात करते दिख रहे हैं।

उनके साथ के लोग स्थानीय निवासियों को पकड़ते और तिरपाल से बनी झोपड़ियां तोड़ते दिख रहे हैं। यह घटना शनिवार को गेंडारिया इलाके में हुई। मंत्री और उनके लोगों ने 6 लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया।

वीडियो सामने आने के बाद मंत्री के ऐसा करने को लेकर आलोचना हो रही है। पुलिस ने भी साफ किया है कि छापेमारी का अधिकार कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास है।

इशराक ने कहा कि ड्रग्स की वजह से देश के युवा बर्बाद हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वे पिछले 6 महीने से इस मामले में जानकारी जुटा रहे थे।

मंत्री ने कहा कि अगर उनकी अपनी पार्टी का कोई व्यक्ति ड्रग्स के कारोबार में शामिल पाया गया, तो उसे और कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह उनकी कार्रवाई का सबसे अहम राजनीतिक पहलू है। उन्होंने कहा, ड्रग्स के खिलाफ यह अभियान मेरे निर्वाचन क्षेत्र से शुरू हुआ है। यह पूरे बांग्लादेश में फैलेगा। देश में कहीं भी ड्रग्स के लिए जगह नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि जो लोग बाहर से आकर ड्रग्स की सप्लाई करने वालों को पकड़ने में मदद करेंगे, उन्हें वे सम्मान देंगे। खबर के मुताबिक, पकड़े गए लोगों ने हाथ जोड़कर छोड़ने की अपील की।

मंत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया

बांग्लादेश के राज्य मंत्री इशराक हुसैन ने बाद में अपने फेसबुक पेज पर कार्रवाई का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई के दौरान 6 लोगों को पकड़ा गया।

हालांकि, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मलिक अहसान उद्दीन सामी ने बताया कि पुलिस 10 लोगों को गेंडारिया थाने लेकर गई। उनके मुताबिक, मंत्री ने कुछ लोगों को पकड़ने के बाद पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने जांच के बाद उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि छापेमारी करने का अधिकार केवल कानून लागू करने वाली एजेंसियों को है। हालांकि, बांग्लादेश में कोई भी नागरिक अपराध के संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर सकता है।

गेंडारिया थाने के प्रभारी मोनिरुज्जमान मोनिर ने बताया कि पकड़े गए लोगों के पास से सफेद पाउडर जैसा पदार्थ मिला है। लेकिन यह ड्रग्स है या नहीं, इसकी पुष्टि प्रयोगशाला में जांच के बाद ही होगी।



मंत्री ने कहा, "कोई तुम्हें हाथ नहीं लगाएगा और न ही तुम्हें नुकसान पहुंचाएगा। तुम्हें थाने ले जाया जाएगा और पुलिस जरूरी कार्रवाई करेगी। हम यहां तुम्हें पीटने नहीं आए हैं। देश कानून से चलेगा। तुम्हारा मुकदमा चलेगा और न्यायिक प्रक्रिया के तहत सजा मिलेगी।"

पाक-अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी

7 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत, इस साल दोनों देशों के बीच हमलों में 1100 आम नागरिक मारे जा चुके

इस्लामाबाद/काबुल, एजेंसी



पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर शनिवार को भारी गोलीबारी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए है।

वहीं, पाकिस्तान ने दावा किया है कि जवाबी हमले में कई अफगान तालिबानी लड़ाके मारे गए और उनका एक सैन्य ठिकाना तबाह कर दिया गया। दोनों देशों के बीच यह झड़प विवादित डूरंड लाइन पर हुई।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में अब तक अफगानिस्तान में सीमा पार से होने वाली हिंसा के कारण 1100 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर में सीमा पर बड़ी झड़पों के बाद से कई बार सैन्य टकराव हो चुका है। विवाद की एक बड़ी वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान का तालिबान प्रशासन TTP को पनाह देता है और उसके लड़ाके अफगान जमीन से सीमा पार हमलों की योजना बनाकर उन्हें अंजाम देते हैं। हालांकि, काबुल इन आरोपों को खारिज करता है।

TTP, अफगान तालिबान का करीबी सहयोगी है और दोनों एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। 2001 में अफगानिस्तान पर अमेरिकी हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया था, जिससे नाराज होकर TTP ने पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ लड़ाई शुरू की।

संगठन पाकिस्तान सरकार को इस्लाम के खिलाफ मानता है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद पाकिस्तान ने TTP को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले भी किए।

पाकिस्तान ने 1 अक्टूबर को अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। इन हमलों में 9 लोगों की मौत और 11 लोग घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

पाकिस्तान बोला- अफगान लड़ाकों ने गोलीबारी की शुरुआत की

पाकिस्तान ने कहा कि अफगान सीमा रक्षकों ने उसके चेकपॉइंट्स पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। वहीं, अफगान सुरक्षा सूत्रों ने पाकिस्तान पर संघर्ष शुरू करने और बिना अनुमति सीमा चौकियां बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के सैनिकों को नुकसान पहुंचाने के दावे किए हैं। अफगान सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने पहले गोलीबारी की। उनके मुताबिक, अफगान बलों ने जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों को नुकसान पहुंचाया। पाकिस्तान ने इसके उलट कहा कि अफगान सीमा रक्षकों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर-पश्चिमी कुर्रम जिले में उसके चेकपॉइंट्स पर गोली चलाई।

पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को हुई एक अलग गोलीबारी में कई अफगान तालिबान लड़ाकों को मारने का दावा किया। उन्होंने एक तालिबानी सैन्य बेस कैंप नष्ट करने की बात भी कही। इस्लामाबाद ने आरोप लगाया कि अफगान बलों ने आतंकियों को पाकिस्तानी क्षेत्र में घुसाने में मदद के लिए गोलीबारी की। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की।

प्रदर्शनकारियों को इमैनुएल मैक्रों ने दी वॉर्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी



फ्रांस में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, स्कूलों के खराब हालात और सरकार की नीतियों के खिलाफ छात्रों और कई यूनियन सड़क पर उतर गए हैं। कई जगहों पर व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी कड़ी में कुछ अराजकतावादी लोगों ने जमकर उत्पाद मचाया। उपद्रवियों ने फ्रांस के लिमोज शहर में काफी पुराने ऐतिहासिक टाउन हॉल (Hotel de Ville) में आगजनी की। इस पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्वीट कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो ने ट्वीट कर कहा कि हमारे गणतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। जिन लोगों ने सरकारी कार्यालयों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हमला एवं टाउन हॉल में लूटपाट की है उन पर एक्शन लिया जाएगा। सरकार उन पर मुकदमा चलाएगी। उन्हें कानून के तहत दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन करने के अधिकार की रक्षा करने वाली कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रति मैं पूरे राष्ट्र की ओर से अपना समर्थन जताता हूं। उन्होंने अपने बयान में आगे कहा कि हम सब मिलकर उन अराजकता फैलाने वाले लोगों के खिलाफ खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि जो हमारी संस्थाओं को नष्ट करना चाहते हैं और जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखना चाहते हैं, वो उन्हें ऐसा करने से रोकना चाहते हैं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी जलते हुए पुराने ऐतिहासिक टाउन हॉल का वीडियो ट्वीट कर इसकी अलोचना की है।

मुनाफा : डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा का इस्तीफा, दूसरी तिमाही के नीतेजे उम्मीद के मुताबिक

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 5% बढ़कर 19,510 करोड़

मुंबई, एजेंसी



HDFC बैंक ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक को इस तिमाही में कुल 19,510 करोड़ का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले करीब 5% ज्यादा है। उस तिमाही में बैंक को 18,641 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

बैंक की मुख्य कमाई लोगों को दिए गए कर्ज पर मिलने वाले ब्याज से होती है। इसे NII यानी नेट इंटरेस्ट इनकम कहते हैं। वह बढ़कर 34,619 करोड़ पर पहुंच गई है। इसमें पिछले साल के मुकाबले करीब 10% की बढ़त दर्ज की गई है। पिछले साल यह करीब 31,550 करोड़ थी। बाजार के जानकारों ने अनुमान लगाया था कि इस बार बैंक का मुनाफा करीब 19,567 करोड़ और ब्याज से कमाई 34,861 करोड़ रह सकती है। बैंक के जो असली आंकड़े सामने आए हैं, वे इन अनुमानों के बेहद करीब हैं। यानी बैंक का काम-काज मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। बैंक के MD और CEO शशिधर जगदीशन ने कहा कि बैंक की कुल कमाई अच्छी रही है। खास तौर पर आम लोगों और छोटे कारोबारियों को दिए जाने वाले लोन में बढ़िया तेजी आई है। इसके अलावा, आने वाले 3 महीनों में बैंक के मुनाफे का मार्जिन और बेहतर होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस मिलना और डूबा हुआ कर्ज कम होना हमेशा से बैंक की सबसे बड़ी ताकत रही है, और यह आगे भी बनी रहेगी। शशिधर जगदीशन की जगह अब अनूप बागची MD और CEO होंगे। वे इसी महीने 27 अक्टूबर से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। जगदीशन ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि अनूप बागची के आने से बैंक को नई सोच और नई दिशा मिलेगी। बैंक के डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा ने इस्तीफा दे दिया है। अनूप बागची ने कहा कि 1995 से लेकर अब तक हर दौर में HDFC बैंक की लोन वसूली और लोन की स्थिति को मजबूत बनाए रखने में कैजाद भरूचा और उनकी टीम का बहुत बड़ा रोल रहा है।

लोन बांटने और जमा पैसों में डबल-डिजिट ग्रोथ

30 सितंबर 2026 तक बैंक की ओर दिया गया कुल लोन सालाना आधार पर 16.3% बढ़कर 32,19,500 करोड़ पर पहुंच गया। इसे बैंक की भाषा में ग्रॉस एडवांसेज कहा जाता है।

वहीं बैंक में जमा कुल पैसा भी 18.8% बढ़कर 33,27,400 करोड़ हो गया। ये पैसा दो तरह से आता है। सेविंग और करेंट अकाउंट डिपॉजिट यानी CASA और फिक्स्ड डिपॉजिट।

सेविंग्स और करंट अकाउंट में जमा पैसा 10.8% बढ़ा। बैंक में जमा कुल पैसों में CASA का हिस्सा 31.6% रहा। जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में 22.8% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

डूबा हुआ पैसा कम हुआ, लोन वसूली तेज

बैंक के ग्राहकों के दिए कर्ज की स्थिति यानी एसेट क्वालिटी भी बेहतर हुई है। यानी लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस लौट रहा है और बैंक का डूबा हुआ पैसा कम हुआ है। बैंक का वास्तविक फंसा हुआ कर्ज यानी नेट NPA अनुपात घटकर मात्र 0.37% रह गया है, जो इससे ठीक पिछली तिमाही में 0.41% और पिछले साल की समान तिमाही में 0.42% था।

पाकिस्तानः बलूचिस्तान के खुजदार में भूकंप से 1 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को आए तेज भूकंप से एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि कई कच्चे मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई। तेज झटकों के कारण लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और खुले मैदानों में शरण ली। शनिवार सुबह करीब 10:07 बजे खुजदार जिले और आसपास के क्षेत्रों में तेज झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, भूकंप का केंद्र खुजदार से 48 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 25 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। नाल इलाके में पहाड़ से एक बड़ी चट्टान गिरने के कारण वाध निवासी अब्दुल रहीम की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि तेज झटकों के चलते नाल के बेसार क्षेत्र में स्थित अनारी में पहाड़ से चट्टानें खिसकने लगी थीं, जिसकी चपेट में आने से यह दुखद हादसा हुआ। तेज कंपन के कारण ग्रामीण इलाकों में बने कई पारंपरिक मिट्टी के मकान ढह गए या उनमें गहरी दरारें आ गईं। प्रशासन राहत और बचाव कार्यों के साथ नुकसान का आकलन कर रहा है। पाकिस्तान भौगोलिक रूप से भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित है। इस वजह से यह क्षेत्र दुनिया के सबसे संवेदनशील सिस्मिक जोन में आता है। इससे पहले 27 जून को 5.4 तीव्रता और अप्रैल में अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में आए 5.5 तीव्रता के भूकंप के कारण इस्लामाबाद, पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा समेत कई हिस्सों में तेज झटके दर्ज किए गए थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676